भाद्रपद कृष्ण - 1 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 19 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 10-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 निर्वाचन आयोग पर यदि भरोसा नहीं तो लोकसभा से इस्तीफा दें राहुल गांधी

6 एलओसी पर आतंक की आंधी में संजय ने दिखाया अद्भुत साहस

7 'जिस्म' से लेकर भू-राजनीति तक: जॉन अब्राहम सिनेमाई विरासत बनाने में जुटे

फर्स्ट टेक

अमरनाथ यात्रा समपन्न

श्रीनगर/भाषा। भगवान शिव के केसरिया वस्त्र में लिपटी पवित्र 'छड़ी मुबारक' को शनिवार को पारंपरिक पूजा और अनुष्ठान के लिए अमरनाथ पवित्र गुफा ले जाया गया जिसके साथ वार्षिक तीर्थयात्रा औपचारिक रूप से संपन्न हो गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'श्रावण पूर्णिमा' के अवसर पर एक रात के विश्राम के बाद छड़ी मुबारक सुबह पंचतरणी शिविर से रवाना हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पारंपरिक पूजा-अर्चना और अनुष्ठान संपन्न हुआ। अधिकारियों ने कहा कि पवित्र छड़ी के संरक्षक महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में पवित्र गुफा में विशेष प्रार्थना आयोजित की गई। 'आरती' के बाद छड़ी मुबारक रात के विश्राम के लिए पुनः पंचतरणी लौट आई।

न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर में हुई गोलीबारी में तीन लोग घायल

न्यूयॉर्क/एपी। न्यूयॉर्क शहर के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर हुई गोलीबारी में तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बताया कि गोलीबारी की घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में लोग घटनास्थल से भागते हुए दिखाई दे रहे हैं, पुलिस एक गाड़ी को घेर रही है और जमीन पर पड़े घायलों की देखभाल कर रही है। कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन उनकी चोटें जानलेवा नहीं हैं। गोलीबारी रात 1:20 बजे हुई। अभी तक यह विवरण नहीं दिया गया है कि घटना कैसे हुई।

बांग्लादेश में फरवरी 2026 के पहले सप्ताह में चुनाव होंगे

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के चुनाव निकाय प्रमुख ने शनिवार को कहा कि आम चुनाव फरवरी 2026 के पहले सप्ताह में होंगे, लेकिन इसे स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से सुनिश्चित कराया जाना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। हालांकि, मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासिर उद्दीन ने कहा कि कार्यक्रम की घोषणा से दो महीने पहले सही तारीख का खुलासा किया जायेगा। सरकारी बांग्लादेश संघबाद संस्था (बीएसएस) ने उत्तर-पश्चिमी रंगपुर जिले में एक समारोह में उद्दीन के हवाले से कहा, ''लोगों का चुनाव प्रणाली, निर्वाचन आयोग और चुनावी प्रक्रिया में शामिल प्रशासनिक तंत्र पर से विश्वास उठ गया है।'' हालांकि, उद्दीन ने कहा कि उनका कार्यालय ''खोए हुए भरोसे को बहाल करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है।''

सूर्यास्त	सूर्योदय
10-08-2025 6:32 बजे	11-08-2025 5:56 बजे

BSE	NSE
79,857.79 (-765.47)	24,363.30 (-232.85)

सोना	चांदी
10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	127,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सच बोलो

हैं यदि सबूत सचमुच सच्चे,
आखिर कब इनको तोलोगे।
आरोपों प्रत्यारोपों से,
कटुताएं ही बस डोलोगे।
लेकर दल के झुनझने सभी,
झूठों के सँग में डोलोगे।
तथ्यों से हेराफेरी नित,
नेताओं सच कब बोलोगे।

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान

पाक के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया : वायुसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- एस-400 प्रणाली की वजह से पाकिस्तान भारतीय वायु रक्षा प्रणाली को भेद नहीं सका।

बेंगलूरु/भाषा। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराने की पुष्टि की है। उन्होंने इसे भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बताया। उन्होंने यहां एयर चीफ मार्शल एल.एम. कात्रे स्मृति व्याख्यान के 16वें संस्करण के दौरान कहा, हमें उस एडब्ल्यूसी हैंगर में कम से कम एक एडब्ल्यूसी तथा कुछ एफ-16 विमानों के होने का संकेत मिला है, जिनका वहां रखरखाव किया जा रहा है। हमारे पास कम से कम पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराए जाने की पुष्ट जानकारी है और एक बड़ा विमान है, जो या तो विमान हो सकता है या फिर एडब्ल्यूसी (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम), जिसे लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया।

सिंह ने कहा, यह वास्तव में सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, जो हमने हासिल किया है।

इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), ड्रोन और उनकी कुछ मिसाइलें भी भारतीय क्षेत्र में गिरीं। सिंह ने कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय वायुसेना ने हवाई क्षेत्र पर हमला करने का निर्णय लिया। वायुसेना प्रमुख ने कहा, इसलिए हवाई अड्डे पर हमला किया गया और मुख्य भवन पर भी हमला किया गया, जहां योजनाएं बनती हैं, और इसका इस्तेमाल कभी-कभी सिविल टर्मिनल भवन के रूप में भी किया जाता था। जहां तक सुकूर एयरबेस का सवाल है, हमने यूएबी हैंगर और रडार स्थल पर हमला किया। उन्होंने कहा, आपके पास यहां दृश्य उपलब्ध हैं - यह वह हैंगर है, जिसे ध्वस्त कर दिया गया है, यह पहले और बाद का रडार स्थल है। एडब्ल्यूसी हैंगर पर फिर से हमला किया गया। यहां हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि जहां हमला हुआ था, वहां एक विमान था।

सरगोधा के बारे में वायुसेना प्रमुख ने कहा, हम अपनी वायुसेना में ऐसे ही दिनों का सपना देखते हुए बड़े हुए हैं। किसी दिन हमें मौका मिलेगा। संयोग से मुझे अपनी सेवानिवृत्ति से पहले यह मौका मिल गया। हमने उस हवाई क्षेत्र पर हमला किया, जहां हमें एफ-16 विमानों के बारे में बहुत पुख्ता जानकारी मिली थी।

एयर चीफ मार्शल के अनुसार, एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पासा पलटने वाली साबित हुई है। भारत ने इसे हाल में खरीदा है। वायुसेना प्रमुख ने कहा, इस प्रणाली की रेंज ने पाकिस्तान के विमानों और यूएवी को भारतीय रक्षा प्रणाली से दूर रखा था। एस-400 प्रणाली की वजह से पाकिस्तान भारतीय वायु रक्षा प्रणाली को भेद नहीं सका।

रक्षाबंधन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया, जहां स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संगठन 'ब्रह्माकुमारी' की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। यह त्योहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। मोदी ने इस उत्सव की एक वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें युवा छात्राओं के एक समूह ने अपनी खुशी और भावनाओं को व्यक्त किया है। एक छात्रा ने उन्हें योद्धा और रक्षक कहकर सराहा, तो कुछ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया। एक स्कूली छात्रा ने कहा कि वह मोदी अंकल के लिए मोर वाली राखी लाई है, जबकि एक अन्य ने उनकी तरह प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई। प्रधानमंत्री ने एक छात्रा की प्रशंसा की, जिसने कई सरकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्हें एक कविता में शामिल किया था। मोदी ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए 'एक्स' पर एक संदेश भी पोस्ट किया। वीडियो क्लिप पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, आज रक्षाबंधन के एक बेहद खास उत्सव की झलकियां यहां प्रस्तुत हैं। हमारी नारी शक्ति के निरंतर विश्वास और स्नेह के लिए उनका आभार।

शिक्षित और संस्कारित पीढ़ी देती है समाज को नई दिशा : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- परंपरा और आधुनिकता के संतुलन के साथ एकजुट रहकर समाज को नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ाएं।

कोटा/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बेटा-बेटी सभी को शिक्षा देना समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार बताते हुए कहा है कि शिक्षित और संस्कारित पीढ़ी ही समाज का नेतृत्व और विकास की नई दिशा तय कर सकती है।

बिरला शनिवार को यहां विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर वीर कोटिया भील की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आदिवासी समाज के अमूल्य योगदान को नमन किया और इस मौके कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने आग्रह किया कि परंपरा और आधुनिकता के संतुलन के साथ एकजुट रहकर समाज को नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ाएं। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा सहित उन सभी वीर आदिवासी महापुरुषों को याद किया, जिन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ-साथ देश की संस्कृति, परंपराओं और स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस उन सभी आदिवासी भाइयों-बहनों के साहस और बलिदान को स्मरण करने का दिन है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी प्रकृति और संस्कृति की रक्षा की। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व, संघर्ष और त्याग को अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

बिरला ने कोटिया भील के संघर्ष, सेवा और बलिदान को भी श्रद्धापूर्वक याद किया। उन्होंने कहा कि कोटिया भील ने आदिवासी समाज के आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और अधिकारों की रक्षा के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनका जीवन-चरित्र नई पीढ़ी को त्याग और समर्पण की राह दिखाता है।

निर्वाचन आयोग ने 334 पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त दलों को सूची से हटाया

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शनिवार को कहा कि उसने 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है, जो 2019 से छह साल तक एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं। इन दलों के कार्यालय भी कहीं नहीं मिले। निर्वाचन आयोग ने कहा कि ये 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (आरयूपीपी) देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। इस कवायद के बाद कुल 2,854 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से अब 2,520 ही बचे हैं। वर्तमान में, छह राष्ट्रीय दल और 67 राज्य स्तरीय दल हैं। इस साल जून में निर्वाचन आयोग ने 345 ऐसे दलों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी और अंततः 334 को सूची से हटा दिया। अधिकारियों ने बताया कि 2001 से अब तक, निर्वाचन आयोग निष्क्रिय आरयूपीपी को ''तीन से चार'' बार हटा चुका है। शीर्ष अदालत ने पहले यह कहते हुए निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दलों की ''मान्यता रद्द'' करने से रोक दिया था कि यह कानून के तहत निर्धारित नहीं है।

निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी से कहा

घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करें या माफी मांगें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा 'वोट चोरी' का आरोप लगाये जाने के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने शनिवार को एक बार फिर विपक्ष के नेता पर दबाव डाला कि या तो वह अपने दावों के समर्थन में घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करें या फिर ''फर्जी'' आरोप लगाने के लिए देश से माफी मांगें। कम से कम तीन राज्यों में कथित वोट चोरी को लेकर गांधी और निर्वाचन आयोग के बीच हुई तीखी बहस के एक दिन बाद, निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने फिर से कांग्रेस नेता से उनके दावों की पुष्टि के लिए हस्ताक्षरित घोषणापत्र पर जोर दिया।

एक अधिकारी ने कहा, ''राहुल गांधी को या तो नियमों के अनुसार घोषणा करनी चाहिए या अपने झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।''

कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) ने बृहस्पतिवार को राहुल गांधी से उन मतदाताओं के नाम साझा करने को कहा था जिनके बारे में उन्होंने दावा किया है कि उन्हें मतदाता सूचियों में गलत तरीके से शामिल किया गया है या सूची से बाहर रखा गया है। उन्होंने चुनाव प्राधिकारियों द्वारा मामले में ''आवश्यक कार्यवाही'' शुरू किए जाने के लिए हस्ताक्षरित घोषणापत्र भी मांगा था।

लेकिन गांधी ने स्पष्ट कर दिया था कि वह घोषणापत्र पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। उन्होंने कहा था कि उन्होंने संसद सदस्य के रूप में संविधान की रक्षा करने की शपथ पहले ही ले ली है।

नया आयकर विधेयक कल लोकसभा में पेश किया जाएगा

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नया आयकर विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश करेंगी जिसमें प्रवर समिति की सिफारिशों को शामिल किया गया है । रीजीजू का यह बयान शुक्रवार को लोकसभा से आयकर विधेयक को वापस लिए जाने पर मीडिया के एक वर्ग में जताई गई आशंकाओं के मद्देनजर आया है। उन्होंने कहा, ''ऐसा माना जा रहा है कि पहले वाले विधेयक को नजरअंदाज करते हुए एक बिल्कुल नया विधेयक लाया जायेगा, जिसके लिए काफी काम किया गया था।''

मंत्री ने स्पष्ट किया कि आशंकाएं निराधार हैं, क्योंकि प्रस्तुत किए जाने वाले नए विधेयक में वे सभी बदलाव शामिल किए जाएंगे, जो प्रवर समिति द्वारा सुझाए गए हैं और जिन्हें सरकार ने स्वीकार कर लिया है। रीजीजू ने कहा कि यह सामान्य संसदीय प्रक्रिया है और यह तब अपनायी जाती है जब लोकसभा में पहले से पेश विधेयक में संशोधन बहुत अधिक हो।

भाजपा सदस्य बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली लोकसभा की प्रवर समिति ने आयकर विधेयक पर 285 सुझाव दिए, जिन्हें सरकार ने स्वीकार कर लिया।

मंत्री ने कहा कि इस बात को लेकर कोई आशंका नहीं होनी चाहिए कि सोमवार को पेश होने वाला नया आयकर विधेयक अलग होगा।

व्हाइट हाउस में आर्मेनिया और अजरबैजान ने शांति समझौता किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। आर्मेनिया और अज़रबैजान के नेताओं ने दशकों से चले आ रहे संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान ने शुक्रवार को एक दूसरे से हाथ मिलाया और इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीच में थे। जैसे ही दोनों ने हाथ मिलाया तो बीच में बैठे ट्रंप ने उनके हाथ थाम लिए।

दक्षिण काकेशस के दोनों देशों ने एक-दूसरे और अमेरिका के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिससे प्रमुख परिवहन मार्ग पुनः खुल जाएंगे, साथ ही अमेरिका को इस क्षेत्र में रूस के घटते प्रभाव का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा।

व्हाइट हाउस ने कहा कि इस समझौते में एक प्रमुख पारगमन गलियारा बनाने का समझौता शामिल है, जिसे अंतरराष्ट्रीय शांति और समृद्धि के लिए 'ट्रंप रूट' नाम दिया जाएगा।

इसके बाद ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है, लेकिन मैंने इसके लिए नहीं कहा था।

ट्रंप कोशिश में हैं कि उन्हें शांतिदूत के रूप में पहचाना जाए और उन्होंने इस बात को भी नहीं छिपाया है कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत है।

आर्मेनिया और अज़रबैजान के नेताओं ने कहा कि यह सफलता ट्रंप और उनकी टीम के कारण संभव हुई। पाशिनयान ने समझौते को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताते हुए कहा, हम अतीत की तुलना में एक बेहतर कहानी लिखने के लिए आधारशिला रख रहे हैं। अलीयेव ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप ने छह महीने में चमत्कार कर दिखाया।''

आर्मेनिया-अज़रबैजान लगभग चार दशकों तक संघर्ष में उलझे रहे। वे करबाख क्षेत्र पर नियंत्रण के लिए लड़ रहे थे, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नागोर्नो-करबाख के नाम से जाना जाता है। ये दोनों देश पूर्व में सोवियत संघ में शामिल थे।

ट्रंप ने फिर किया दावा

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने में मैंने मदद की थी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष के बाद ''स्थिति को संभाल लिया था, जो एक ''परमाणु युद्ध'' में बदल सकता था। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में शुक्रवार को यह भी दावा किया कि इस संघर्ष के दौरान पांच या छह विमान ''मार गिराए गए'' थे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये विमान किस देश के थे-भारत या पाकिस्तान, या फिर वह दोनों देशों के कुल नुकसान की बात कर रहे थे। भारत यह कहता रहा है कि दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) ने अपनी सैन्य कार्रवाई आपसी बातचीत के जरिए रोकी थी और इसमें अमेरिका की कोई मध्यस्थता नहीं थी।

यूक्रेनी क्षेत्र सौंपा जाना है नामंजूर, अमेरिका-रूस वार्ता में यूक्रेन की भागीदारी जरूरी : जेलेंस्की

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित बैठक को खारिज करते हुए शनिवार को चेताया कि अगर कोई शांति समझौता कीव को शामिल किए बिना किया गया तो यह समाधान बेमानी होगा।

अलास्का में शुक्रवार को होने वाली बैठक को लेकर संभावना जताई जा रही है कि इसमें कुछ सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकता है। टेलीग्राम पर एक बयान में जेलेंस्की ने कहा कि संविधान में निहित यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता से कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थायी शांति के लिए वार्ता में यूक्रेन को भी शामिल किया जाना चाहिए। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन ''रूस को उसकी करतूतों के लिए कोई इनाम थोड़े ही देगा'' और ''यूक्रेनवासी अपने जमीन को जबरन कब्जे करने वाले को नहीं देंगे। यूक्रेन की यह चिंता है कि पुतिन और ट्रंप की बैठक से कीव और यूरोपीय हितों को नजरअंदाज किया जा सकता है।

इस पर जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेन को शामिल किए बिना जो भी हल निकाले जाएंगे, वे शांति के खिलाफ होंगे। ऐसे फैसलों से कुछ नहीं मिलेगा। ये बेमानी समाधान हैं, जो कभी काम नहीं करेंगे।

ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने पर चर्चा के लिए अगले शुक्रवार को अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलेंगे। उम्मीद की जा रही है कि इस मुलाकात से सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकते हैं।

ट्रंप-पुतिन बैठक पर सहमति का भारत ने किया स्वागत

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष ब्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक के लिए बनी सहमति का स्वागत करते हुये भारत ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन में शांति स्थापना के प्रयासों में समर्थन के लिए वह तैयार है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'अमेरिका और रूस के बीच 15 अगस्त को अलास्का में बैठक के लिए बनी सहमति का भारत स्वागत करता है।' बयान में कहा गया है, इस बैठक में यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त करने और शांति की स्थापना की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मौकों पर कहा है, 'यह युद्ध का युग नहीं है।' विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत इस बैठक का समर्थन करता है और इन प्रयासों में सहयोग के लिए तैयार है। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि वह 15 अगस्त को अलास्का में पुतिन के साथ बैठक करेंगे।

सहज स्मृति योग

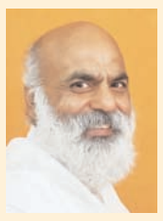

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, साधना-रत मुमुक्षु किस प्रकार अनेक जन्मों की लौकिक स्मृतियों से ऊपर उठकर अपने सनातन निजस्वरूप की अखण्ड स्मृति में प्रतिष्ठित होकर, गुरु के संग शाश्वत चैतन्य अवस्था में रह कर सहज समाधि को प्राप्त होते हैं? और गुरु-शिष्य संबंध की साधना में समाधि की अवस्था और स्मृति-भ्रम के लुप्त होने की प्रक्रिया कैसी होती है?

उत्तर: साधनारत मुमुक्षुओं की दृष्टि में उनकी अनेकानेक जन्मों की लौकिक स्मृति और सनातन अलौकिक निज स्वरूप अवस्था की स्मृति में अंतर न्यूनतम होता जाता है। बिना यह अंतर न्यूनतम हुए खुली आँखों से समाधिस्थ नहीं हुआ जा पाता इसलिए दीक्षार्थियों को आँखों को मूँद कर बैठने वाले अभ्यास से आरम्भ कराया जाता है इस तरह चलते चलते, 'वे यह नहीं हैं वे वह भी नहीं है' देखते जाते हुए अपनी समझ, अनुभव एवं अनुभूति में स्पष्टता पूर्वक यह भाव-बोध दृढ़ और प्रगाढ़ होता हुआ पाते जाते हैं कि वे सदैव केवल गुरु के संग ही हैं। उनकी शुद्धतर होती जाती चेतना में, स्रोत मूल में वे इस गूढ़ रहस्य को हृदयंगम करते जाते हैं कि गुरु शिष्य का यह वह वर्तमान सनातन श्रोत्रिय और स्रोत्रीय सम्बन्ध है जिससे कि उनका अपना अस्तित्व क्षण क्षण परिवर्तित होता हुआ शाश्वत परिभाषित होता रहता है और उनका मैं-पन उन्मन और उनींदा होता रहता है उसके स्थान पर स्व-पन जागृत हो वर्तता रहता है।इस तरह ऐसों की चेतना में सम्पूर्ण संसार स्वप्न सा व्यवहरित होता हुआ कभी प्रकट तो कभी गुप्त या लुप्त होता रहता है।और वे सदा सहज समाधिस्थ बने रहते हैं पारलौकिक चैतन्य में प्रतिष्ठित होने से उन्हें स्मृति विभ्रम नहीं हो पाता। स्मृति भ्रंश नहीं होने पर बुद्धि शुद्ध बनी रहती है विवेक उज्ज्वल और चरित्र धवल बना रहता है।लोक में पावन परम-आत्म चरित्र की प्रतिष्ठा होती रहती है।सुख अक्षय बना रहता है।

शीघ्र पता चल जाएगा कि एकनाथ शिंदे कौन सा रास्ता अपनाएंगे: शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। शिवसेना नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की हाल ही में नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेताओं के साथ हुई बैठकों की पृष्ठभूमि में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि जल्द ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि वह (एकनाथ) कौन सा 'रास्ता' अपनाएंगे।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि शिंदे अपने पत्ते गुप्त रखना पसंद करते हैं और अपने फैसले से कभी पीछे नहीं हटते। शिंदे की दिल्ली में हुई बैठकों और क्या उनकी ओर से विपक्ष को कोई संकेत दिए हैं को लेकर जब सवाल पूछा गया तो पवार ने नकारात्मक जवाब दिया।

पवार ने रहस्यमयी लहजे में कहा, हम शिंदे साहब को कई सालों से जानते हैं। वह चुपचाप काम करना पसंद करते हैं और कभी कुछ करने से पीछे नहीं हटते। हम जल्द ही अनुमान लगा पाएंगे कि शिंदे कौन सा रास्ता अपनाएंगे।

शिंदे ने 2022 में शिवसेना का विभाजन कर दिया जिससे अविभाजित शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस द्वारा गठित मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार गिर गई। उन्होंने शिवसेना के दो-तिहाई से अधिक विधायकों के समर्थन का दावा किया और चुनाव आयोग ने उन्हें 'असली शिवसेना' के रूप में मान्यता दी।

'पीटीआई-भाषा' के साथ एक वीडियो साक्षात्कार में शिंदे ने जोर देकर कहा कि भाजपा-शिवसेना-राकांपा महायुति गठबंधन आगामी स्थानीय निकाय चुनाव मिलकर लड़ेगा और विजयी होने का विश्वास व्यक्त किया।

पवार ने कहा कि अनुशासन आरएसएस और उसके सहयोगियों की विशेषता है। उन्होंने कहा, अगर वे कोई निर्णय लेते हैं, तो उसे लागू करने की कोशिश करते हैं। आरएसएस ने कई वर्षों से अनुशासन की इस संस्कृति को बनाए रखा है। मुझे लगता है कि वे अनुशासन का पालन करना जारी रखेंगी।

तिब्बती संगठन के सदस्यों ने आरएसएस प्रमुख को राखी बांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को नागपुर स्थित संघ मुख्यालय में तिब्बती संगठनों के सदस्यों के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया। विश्व संवाद केंद्र द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, क्षेत्रीय तिब्बती महिला संघ और भारत-तिब्बत सहयोग मंच की महिला सदस्यों ने मोहन भागवत को राखी बांधी। आरएसएस की महिला शाखा 'राष्ट्रीय सेविका समिति' की कार्यकर्ताओं ने भी सरसंघचालक को राखी बांधी।

वोटी चोरी आरोप: शरद पवार ने राहुल गांधी का किया समर्थन, निर्वाचन आयोग से जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राकांपा (शरद चंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को मांग की कि चुनावी प्रक्रिया की शुचिता और निर्वाचन आयोग की छवि के बारे में संदेह दूर करने के लिए आयोग विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए ''वोट चोरी'' के आरोपों की विस्तृत जांच कराये।

पवार ने निर्वाचन आयोग द्वारा गांधी को हलफनामा दाखिल करने और शपथपत्र के तहत जानकारी देने के लिए कहे जाने के पीछे के तर्क पर भी सवाल उठाया। गांधी ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में पिछले साल मतदाता सूची के विश्लेषण का हवाला देते हुए भाजपा और निर्वाचन आयोग के बीच ''मिलीभगत'' के जरिए चुनाव में ''बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी'' का दावा किया था। एक दिन बाद, उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और भाजपा ने लोगों से लोकसभा चुनाव ''चुराने'' के लिए मिलीभगत की तथा कम से कम तीन राज्यों में ''वोट चोरी'' हुई। पवार ने पत्रकारों से कहा, वोट चोरी पर राहुल गांधी की प्रस्तुति अच्छी तरह से शोध और दस्तावेजीकरण के बाद दी गई थी। लोगों के बीच (चुनावी प्रक्रिया की शुचिता के बारे में) संदेह को दूर करने के लिए उनके द्वारा उठाई गई चिंताओं की विस्तृत जांच की आवश्यकता है। दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए। मुझे लगता है कि जांच से सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा कि चूंकि निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संस्था है, इसलिए उसे गांधी से अलग से घोषणापत्र नहीं मांगना चाहिए। उन्होंने कहा, गांधी ने संसद में भी यही कहा था। निर्वाचन आयोग द्वारा उनसे घोषणापत्र मांगना उचित नहीं है। राहुल गांधी द्वारा यह आरोप लगाए जाने के तुरंत बाद कि वोट चोरी लोकतंत्र के लिए एक परमाणु बम है, कर्नाटक और महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने कांग्रेस के प्रमुख से उन मतदाताओं के नाम साझा करने को कहा, जिनके बारे में कांग्रेस नेता ने दावा किया था कि वे मतदाता सूची में ''गलत(तरीके से)'' हैं।

ट्रंप की दबाव की रणनीति के खिलाफ राष्ट्रहित में मोदी सरकार का समर्थन जरूरी : शरद पवार

नागपुर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने अमेरिकी शुल्क का हवाला देते हुए शनिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ''दबाव की रणनीति'' के खिलाफ राष्ट्रीय हित में केंद्र सरकार का समर्थन करने का आह्वान किया। पवार ने नागपुर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाना दबाव बनाने की रणनीति है। हम भारत के लोगों को देश के हितों की रक्षा के लिए सरकार का समर्थन करना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह इस बात पर अटकलें नहीं लगाना चाहते कि मोदी सरकार की विदेश नीति विफल हो गई है या नहीं। उन्होंने कहा, हमने पहले कार्यकाल में भी अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप की कार्यशैली देखी थी। मुझे लगता है कि उन पर किसी का नियंत्रण नहीं है। जो भी उनके दिल में आता है, वह आवेग में आकर बोल देते हैं। शरद पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत और पड़ोसी देशों के बीच बढ़ती दूरी के संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा, हम अपने पड़ोसी देशों के प्रति अपने रवैये को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते। आज पाकिस्तान हमारे खिलाफ है, जबकि नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव जैसे देश हमसे खुश नहीं हैं। राकांपा (एसपी) प्रमुख ने कहा, हमारे पड़ोसी हमसे दूर जा रहे हैं। मुझे लगता है कि मोदी साहब को इस पहलू को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और संबंधों को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का प्रमाण है: डीआरडीओ प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) अध्यक्ष समीर कामत ने शनिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' आत्मनिर्भरता, रणनीतिक दूरदर्शिता और स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की ताकत को दर्शाता है।

कामत ने यहां डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (डीआईएटी) के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिमी सीमाओं पर अत्यंत समन्वित एवं बहुआयामी अभियान ने न केवल सैनिकों के साहस को प्रदर्शित किया, बल्कि उस प्रौद्योगिकी को भी रेखांकित किया, जिसने उनका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' एक मिशन से कहीं अधिक था और यह आत्मनिर्भरता, रणनीतिक दूरदर्शिता और स्वदेशी प्रौद्योगिकी में भारत की ताकत को प्रदर्शित करता है। कामत ने कहा कि अभियान दुनिया को यह संदेश था कि भारत में स्वदेशी प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपनी सीमाओं की रक्षा करने की क्षमता है। डीआरडीओ प्रमुख ने कहा कि सेंसर, ड्रोन और सुरक्षित संचार से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित निर्णय लेने में सहायक प्रणाली और सटीक हथियारों तक, स्वदेशी संसाधनों ने अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि अभियान के लिए तैनात प्रणालियों में 'आकाश' सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल, ब्रह्मोस' सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, डी4 एंटी-ड्रोन सिस्टम, एडब्ल्यूएनसी एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम और आकाशतीर प्रणाली शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास तंत्र द्वारा विकसित की गई हैं।

शिक्षा का मतलब सवाल पूछने की क्षमता विकसित करना : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि शिक्षा का अर्थ केवल जीवन निर्माण नहीं है, बल्कि उस जीवन में अर्थ का निर्माण करने और सवाल पूछने की क्षमता विकसित करने में सक्षम होना है। केंद्रीय संचार मंत्री ने शुक्रवार को कहा, शिक्षा का उद्देश्य केवल यह प्रश्न पूछना नहीं होना चाहिए कि 'मैं कैसे सफल होऊं, बल्कि यह भी पूछना होना चाहिए कि 'मैं कैसे सेवा करूं'।

सिंधिया भोपाल में ब्रिटेन से जुड़े 'शूसबरी इंटरनेशनल स्कूल' के 150 एकड़ के परिसर के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित कर रहे थे। दक्षिण एशिया के व्यापार आयुक्त और पश्चिमी भारत में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त हरजिंदर कांग ने भी इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मैं भारत में शूसबरी इंटरनेशनल स्कूल की शुरुआत के मौके पर शामिल होकर प्रसन्न हूं। यह पारस्परिक विकास पर आधारित भारत-ब्रिटेन की दोस्ती का एक नया अध्याय है। उन्होंने कहा, पिछले महीने हमारे प्रधानमंत्रियों ने 'भारत-ब्रिटेन विजन 2035' को मंजूरी दी है। इस नई साझेदारी से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे।

उत्तराखंड में रेल संपर्क और सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : बलूनी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनिल बलूनी ने शनिवार को संसद में सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी का हवाला देते हुए उत्तराखंड में रेल संपर्क को बढ़ावा देने और न केवल राज्य बल्कि पूरे देश में सीमावर्ती गांवों के समग्र विकास के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा को बताया कि बलूनी के लोकसभा क्षेत्र गढ़वाल सहित देश के 19 जिलों के सीमावर्ती गांवों में विकास परियोजनाओं के लिए पिछले तीन वित्तीय वर्षों (2025-26) में 4,800 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। यह सरकार के ''वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम'' के अंतर्गत है। बलूनी के प्रश्न के उत्तर में राय ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत 2025-26 से 2028-29 तक 6,839 करोड़ रुपए का बजट आवंटित करने का प्रस्ताव है। बलूनी ने कहा कि इसके अलावा, सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत सरकार ने 6634 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि उपलब्ध कराई है।

कश्मीर तक मालगाड़ी पहुंचाना महत्वपूर्ण उपलब्धि : अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

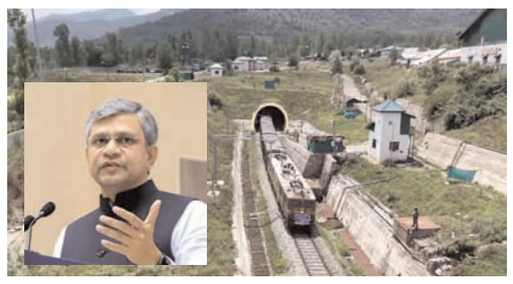

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची मालगाड़ी कश्मीर घाटी को राष्ट्रीय माल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उत्तर रेलवे ने शनिवार को पहली बार पंजाब के रूपनगर से कश्मीर के अनंतनाग तक सीमेंट ले जाने वाली मालगाड़ी चलाई। वैष्णव ने पोस्ट किया, आज (नौ अगस्त) पहली मालगाड़ी पंजाब से कश्मीर घाटी में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची, जो कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रेलवे नेटवर्क द्वारा माल ढुलाई से कश्मीर घाटी में रहने वाले हमारे नागरिकों के लिए लागत कम हो जाएगी। उत्तर रेलवे ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि ट्रेन में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन लदे थे। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने कहा, लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा आज 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर समाप्त हुई। सीमेंट लेकर पहली बार मालगाड़ी वहां पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र में रसद और आर्थिक विकास के एक नए दौर का समर्थन करने को लेकर रेलवे की तत्परता को रेखांकित करता है। उपाध्याय के अनुसार, इस मालगाड़ी से पहुंचाए गए सीमेंट का इस्तेमाल घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण में किया जाएगा।

मुंबई के लिए 'महायुति' का लक्ष्य गड्ढा मुक्त सड़कें, बेहतर कनेक्टिविटी : शिंदे

नई दिल्ली/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि कुछ लोग मुंबई को सोने की मुर्गी समझते हैं और लोगों को गड्ढों वाली एवं भीड़भाड़ वाली सड़कों से यात्रा करने के लिए मजबूर करते हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में यह एक प्रमुख मुद्दा होगा। शिंदे ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक वीडियो साक्षात्कार में कहा कि वह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुंबई की छवि सुधारने में जुटे हैं और देश की वित्तीय राजधानी को अगले 18 महीनों में ''गड्ढा मुक्त सड़कें'' और बेहतर स्वच्छता सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी-शिवसेना-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी गठबंधन आगामी स्थानीय निकाय चुनाव मिलकर लड़ेगा और विजयी होने का विश्वास व्यक्त किया। शिंदे ने कहा, हमने लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा और जीते। भाजपा-शिवसेना-राकांपा 'महायुति' ने महाराष्ट्र चुनाव जीता। हम महायुति गठबंधन के रूप में स्थानीय निकाय चुनाव जीतेंगे।

मुख्यमंत्री नायडू ने आंध्र प्रदेश में आदिवासी कल्याण और विकास को प्राथमिकता दी

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि आदिवासी कल्याण और आदिवासी क्षेत्रों का विकास उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आयोजित एक समारोह के दौरान अल्लूरी सीताराम राजू जिले के लागीशापल्ली में नायडू ने कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी और एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) क्षेत्रों में सुविधाओं में सुधार के उद्देश्य से विकास योजनाओं का उद्घाटन किया। नायडू ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, हमारा लक्ष्य आदिवासियों का कल्याण और उनके क्षेत्रों का विकास है। हमने आईटीडीए में आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति करके इस पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि कुशल प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए सात आईटीडीए में आईएएस अधिकारियों को तैनात किया गया है और इस बात पर जोर दिया कि यदि उचित अवसर और समर्थन दिया जाए, तो आदिवासी चमत्कार कर सकते हैं।

कृषि नीति को उपयोगितावादी से नैतिक अवधारणा की ओर बढ़ना चाहिए : कृषि सचिव

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने शनिवार को देश की कृषि नीति में विशुद्ध उपयोगितावादी दृष्टिकोण की जगह नैतिक सिद्धांतों पर आधारित दृष्टिकोण अपना कर आमूलचूल परिवर्तन करने की वकालत की क्योंकि दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला यह देश खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण स्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहता है।

यहाँ एम.एस. स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में बोलते हुए, चतुर्वेदी ने कहा कि भारत की हरित क्रांति उपयोगिता-केंद्रित तरीकों से प्रेरित थी, जिसमें पर्यावरण चिंताओं के स्थान पर उत्पादन को प्राथमिकता दी गई थी। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे हम हरित क्रांति में आगे बढ़े, हम एक उपयोगितावादी अवधारणा के साथ आगे बढ़े। अब हमें उपयोगितावादी से नैतिक अवधारणा की ओर जाना होगा।

'लापता लेडीज' के बारे में सुना है, लापता उपराष्ट्रपति' के बारे में नहीं': कपिल सिब्बल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कानून मंत्री और राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मौजूदा स्थिति को लेकर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने फिल्म 'लापता लेडीज' के बारे में सुना है, लेकिन 'लापता उपराष्ट्रपति' के बारे में कभी नहीं सुना।

सिब्बल ने गृह मंत्री अमित शाह से धनखड़ के स्वास्थ्य और कुशलक्षेम को लेकर चिंताओं को दूर करने के लिए उनकी स्थिति और वह कहां है इस संबंध में बयान देने का आग्रह किया। धनखड़ ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। सिब्बल ने कहा, 22 जुलाई को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया। उस दिन से हमें नहीं पता कि वह कहां हैं। वह अपने आधिकारिक आवास में नहीं हैं। पहले दिन मैंने उनसे संपर्क करने की कोशिश की और उनके निजी सचिव ने फोन उठाया और कहा कि वह आराम कर रहे हैं।

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि कई राजनीतिक सहयोगी भी धनखड़ से संपर्क नहीं कर पाए हैं। किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' का हवाला देते हुए सिब्बल ने कहा, मैंने 'लापता लेडीज़' के बारे में तो सुना है, लेकिन 'लापता उपराष्ट्रपति' के बारे में कभी नहीं सुना। सिब्बल ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि धनखड़ उपराष्ट्रपति थे और उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में सरकार का समर्थन किया, लेकिन अब लगता है कि विपक्ष को उनका बचाव करना होगा। उन्होंने कहा, हमें क्या करना चाहिए? क्या हमें बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करनी चाहिए? सिब्बल ने कहा कि गृह मंत्रालय को धनखड़ की मौजूदा स्थिति के बारे में पता होगा और अमित शाह को बयान देना चाहिए कि वह कहां हैं, क्योंकि उनका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं है। सिब्बल ने कहा, तो क्या वह कहीं इलाज करा रहे हैं? उनके परिवार के लोगों ने भी कुछ नहीं कहा है।

पंजाब ने सीमा पार तस्करी से निपटने के लिए ड्रोन रोधी प्रणाली शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के मकसद से शनिवार को ड्रोन रोधी प्रणाली का उद्घाटन किया।

मान ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ मिलकर सीमांत जिले तरनतारन में एक कार्यक्रम के दौरान तीन ड्रोन रोधी प्रणालियों का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रोन रोधी प्रणाली को 'बाज अक्ख' कहा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के समन्वय से सीमावर्ती जिलों में सेना की दूसरी पंक्ति के रूप में तैनात किया जाएगा।

मान ने कहा कि पंजाब देश का पहला ऐसा राज्य होगा जिसके सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन रोधी प्रणाली तैनात होगी। उन्होंने बताया कि जब भी कोई ड्रोन की गतिविधि देखी जाएगी, यह प्रणाली उसे रोक लेगी और उसे निष्क्रिय कर देगी। पंजाब में पाकिस्तान के साथ 553 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो अमृतसर, तरनतारन, पठानकोट, फाजिल्का, फिरोजपुर और गुरदासपुर जिलों तक फैली हुई है।

मान ने कहा कि सीमा के उस पार से मादक पदार्थ और हथियारों की तस्करी रोकने के लिए पंजाब सरकार का यह एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में हम राज्य में ड्रोन रोधी व्यवस्था का विस्तार करेंगे। केजरीवाल ने मादक पदार्थों की समस्या के खिलाफ आप सरकार के प्रयासों को भी रेखांकित किया और इस समस्या के लिए पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराया।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हम जानते हैं कि पाकिस्तान से ज्यादातर मादक पदार्थ ड्रोन के जरिए आते हैं। आज पंजाब सरकार ड्रोन रोधी प्रणाली लागू कर रही है। अगर कोई ड्रोन पाकिस्तान से पंजाब में घुसता है, तो यह प्रणाली उसे बेअसर कर देगी।

वित्तीय समावेशन केवल बैंकिंग पहुंच नहीं, सशक्तिकरण का माध्यमः आरबीआई डिप्टी गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय रिज़र्व बैंक के डिप्टी-गवर्नर स्वामीनाथन जानकीरामन ने शनिवार को कहा कि 'री-केवाईसी' शिविर जैसी वित्तीय समावेशन की पहल केवल बैंकिंग पहुंच बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये ग्राहकों को वित्तीय साक्षरता के माध्यम से सशक्त बनाती हैं। तिरुवल्लूर ज़िले में

इंडियन बैंक (मुख्यालय चेन्नई) द्वारा आयोजित वित्तीय समावेशन कार्यक्रम में जानकीरामन ने ऐसे आयोजनों के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर लोगों को बैंक शाखा में जाए बिना ही अपना री-केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) पूरा करने में मदद करते हैं।

इंडियन बैंक की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने कहा, वित्तीय समावेशन का मतलब केवल बैंकिंग तक पहुंच प्रदान करना नहीं है, बल्कि वित्तीय साक्षरता के माध्यम से लोगों को अपने जीवन को बेहतर बनाने और देश की आर्थिक प्रगति में योगदान करने में सक्षम बनाना भी है।

कांग्रेस ने केरल सरकार से अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के कथित आरोप पर स्पष्टीकरण मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। विपक्षी दल कांग्रेस ने शनिवार को केरल सरकार से मांग की कि वह अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के उस कथित आरोप पर अपना पक्ष स्पष्ट करे जिसमें कहा गया है कि वर्ल्ड चैंपियन टीम की केरल यात्रा सरकार द्वारा अनुबंध नियमों का उल्लंघन किए जाने के कारण रद्द कर दी गई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ और कांग्रेस के लोकसभा सदस्य शफी परम्बिल ने राज्य की वामपंथी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ''लियोनेल मेसी गायब हैं। उन्होंने प्रशासन से इस पूरे मामले पर जवाब मांगा है। जोसेफ ने यहां संवाददाताओं से कहा, राज्य सरकार को इस मामले में जवाब देना चाहिए क्योंकि उसी पर आरोप लग रहे हैं। लाखों रुपए पहले ही खर्च हो चुके हैं। अब तो खुद एएफए ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। राज्य की जनता को सच्चाई जानने का अधिकार है। इसी तरह का विचार रखते हुए, परम्बिल ने कहा, राज्य सरकार अर्जेंटीना फुटबॉल टीम को लाने का श्रेय लेने की कोशिश कर रही थी। उसने लोगों को धोखा दिया। अब, एएफए ने खुद स्पष्ट कर दिया है कि राज्य सरकार ने अनुबंध का उल्लंघन किया है।

सांसद ने कहा कि पिनराई

विजयन सरकार को इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए और स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन को फुटबॉल प्रशंसकों के मेस्सी और अर्जेंटीना टीम के प्रति प्यार और प्रशंसा का राजनीतिक दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। कांग्रेस की यह तीखी आलोचना उन खबरों के बीच आई है जिनमें कहा गया है कि अर्जेंटीना टीम से जुड़े एक प्रमुख अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि केरल सरकार ने अनुबंध के नियमों का उल्लंघन किया है। इस सप्ताह की शुरुआत में, राज्य के खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान ने स्पष्ट कर दिया था कि मेसी के नेतृत्व वाली टीम केरल का दौरा नहीं करेगी। मंत्री ने पहले कहा था कि अर्जेंटीना की टीम सरकार की घोषणा के अनुसार राज्य का दौरा करेगी और प्रायोजक ने पहले ही मैच फीस का भुगतान कर दिया है।

हालांकि, उन्होंने चार अगस्त को कहा कि विदेशी टीम ने उन्हें सूचित किया कि उन्हें इस साल अक्टूबर में राज्य का दौरा करने में दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन प्रायोजक ने जवाब दिया कि ''हमारी केवल अक्टूबर में ही दौरा करने में रुचि है।

केरल में चलती ट्रेन से बुजुर्ग महिला को धक्का देने के बाद लूटा

कोझिकोड (केरल)/भाषा। कोझीकोड रेलवे स्टेशन पार करने के बाद धीमी गति से चल रही संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से एक बुजुर्ग महिला को धक्का देने के बाद उससे आठ हजार रुपए से अधिक नकदी और मोबाइल फोन लूट लिया गया। रेलवे पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 64 वर्षीय महिला अपने भाई के साथ महाराष्ट्र के पनवेल से केरल के त्रिशूर जा रही थी और यह घटना शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे ट्रेन के कोझिकोड रेलवे स्टेशन से रवाना होने के बाद हुई। अधिकारी ने बताया कि महिला ने दावा किया है कि हमलावर केरल के बाहर का प्रतीत हो रहा था।

पुलिस ने बताया कि घटना के समय महिला ट्रेन के दरवाजे के पास खड़ी होकर अपने भाई के शौचालय से बाहर आने का इंतजार कर रही थी। पुलिस ने बताया कि हमलावर ने उसका बैग छीनने की कोशिश की और जब उसने इसका विरोध किया तो उसने महिला को ट्रेन से धक्का दे दिया फिर उसके पीछे खुद भी कूद गया। पुलिस ने बताया कि हमलावर ने महिला का सामान छीन लिया और भाग गया। पुलिस के अनुसार, स्टेशन से निकलने के बाद ट्रेन धीमी गति से चल रही थी, लेकिन ट्रेन से गिरकर महिला के सिर में चोट लग गई। अधिकारी ने बताया, महिला की चोट गंभीर नहीं थीं। उसे कोझिकोड मेडिकल कॉलेज ले जाया गया और बाद में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

बेंगलूरु में किशोर की गला रेतकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के बेंगलूरु में 14 वर्षीय लड़के की उसके मामा ने कथित तौर पर गला रेतकर हत्या कर दी। आरोपी ने घटना के तीन दिन बाद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, किशोर ने स्कूल छोड़ दिया था और वह ऑनलाइन गेम खेलने का आदी था। वह अपने मामा से गेम खेलने के लिए अक्सर पैसे मांगता था जिसे लेकर उन दोनों के बीच झगड़ा होता था। यह घटना चार अगस्त की सुबह करीब पांच बजे कुमबरालहल्ली में हुई जहां किशोर अपने मामा नागप्रसाद के साथ रहता था। नागप्रसाद सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्य करता है।

आरोपी मामा ने कथित तौर पर अपने सोए हुए भांजे पर रसोई के चाकू से हमला किया।

नागप्रसाद अपने भांजे के बार-बार पैसे मांगने से परेशान था। भांजे पर हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने सोलादेवनहल्ली थाने में हत्या का मामला दर्ज किया।

आरोपी ने तीन दिन बाद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर अपराध कबूल किया जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल से लड़के का क्षत-विक्षत शव और हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद किया।

पुलिस के अनुसार, फरार होने के बाद आरोपी आसपास के गांवों में भटकता रहा और उसे आत्महत्या करने का भी विचार आया लेकिन अंततः उसने आत्मसमर्पण कर दिया।

आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

लोकसभा चुनाव में धांधली के आरोपों पर

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कानूनी कार्रवाई का संकल्प जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि उन्होंने विधि विभाग को 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान कथित चुनावी धांधली के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की व्यवहार्यता की जांच करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री का यह निर्देश कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस सुझाव के बाद आया है जिसमें उन्होंने 2024 के आम चुनाव के दौरान बेंगलूरु मध्य लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में कथित 'वोट चोरी' की जांच करने पर जोर दिया था। यहां

पत्रकारों से बात करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा, मैंने विधि विभाग को निर्देश दिए हैं। वह इस बात की जांच करेगा कि क्या कार्रवाई शुरू की जा सकती है। उसके अनुसार हम निर्णय लेंगे। विधि विभाग की सिफारिश के आधार पर हम कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे। भाजपा के इस आरोप पर कि वहां तैनात अधिकारी कांग्रेस सरकार के नियंत्रण में हैं, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा, अधिकारी हमारे (राज्य सरकार के) हो सकते हैं, लेकिन चुनावी मुद्दों का प्रबंधन निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाता है। कांग्रेस पर मामले को सामने लाने में देरी के भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा, भाजपा ने गलती की है और इसीलिए वे झूठ बोल रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान हमारे आंतरिक सर्वेक्षण से पता चला था कि हम कर्नाटक की 28 में से 16 लोकसभा सीटें जीतेंगे, लेकिन हम उनमें से केवल नौ ही जीत पाए। मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी ने कुछ मुद्दे उठाए हैं। वे सभी विवरण भारत के निर्वाचन आयोग के पास उपलब्ध हैं। उन्होंने केवल वही दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं जो आयोग के पास उपलब्ध हैं। क्या 80 लोग एक कमरे में रह सकते हैं? उन सभी 80 लोगों ने वोट दिया था।

अमेरिकी शुल्क के कारण तिरुप्पुर में कई परिधान निर्माताओं ने उत्पादन रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के तिरुप्पुर में अमेरिका को निर्यात करने वाले कई परिधान निर्माताओं ने उत्पादन रोक दिया है और कई अन्य कंपनियां अपने विकल्पों पर विचार कर रही हैं। उद्योग प्रतिनिधियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि अमेरिकी खरीदारों के निर्णय के अनुसार ऑर्डरों के क्रियान्वयन पर भी रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद अमेरिका को कपड़ा और परिधान निर्यातक देखो और इंतजार करो की स्थिति में हैं ह्यानी तुरंत कोई बड़ा कदम नहीं उठा रहे, बल्कि पहले देखना चाहते हैं कि आगे हालात कैसे बदलते हैं, ताकि उसी के अनुसार फैसला लिया जा सके।

भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद तिरुप्पुर की ये अब अपने कारोबार के लिए ब्रिटेन के बाज़ार से अच्छी उम्मीदें लगा रही हैं।

तिरुप्पुर को देश का 'निटवियर हब' भी कहा जाता है।

उद्योग प्रतिनिधियों ने बताया कि अमेरिकी बाज़ार को होने वाला वस्त्र निर्यात सालाना लगभग 12,000 करोड़ रुपए का होता है, जो कि तिरुप्पुर और आसपास के क्षेत्रों से होने वाले कुल 45,000 करोड़ रुपए के वार्षिक निर्यात का करीब 30 प्रतिशत है। तिरुप्पुर निर्यातक संघ (टीईए) के अध्यक्ष के.एम. सुब्रमण्यन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, (तिरुप्पुर क्षेत्र से) कुल निर्यात लगभग 45,000 करोड़ रुपए का है, जिसमें से 30 प्रतिशत (12,000 करोड़ रुपए) अमेरिकी बाजार को होता है। हमें उम्मीद है कि 50 प्रतिशत कारोबार, यानी लगभग 6,000 करोड़ रुपए, प्रभावित होगा। टीईए के सदस्यों ने कहा कि तत्काल उपाय के तौर पर, अमेरिकी बाजार को निर्यात करने वाले कुछ परिधान निर्माताओं ने अपने कारखानों में उत्पादन रोक दिया है।

कुछ अभी भी स्थिति से निपटने के लिए अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

सुब्रमण्यन ने कहा, फिलहाल, उन्होंने (अमेरिका को निर्यात करने वाले निर्माताओं ने) उत्पादन रोक दिया है। इसका हम पर (व्यापार पर) गंभीर प्रभाव पड़ेगा। हम अगले दो हफ्तों तक प्रतीक्षा करें और देखें की रणनीति अपना रहे हैं।

प्रधानमंत्री आज बेंगलूरु आएंगे, वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को बेंगलूरु मेट्रो की बहुप्रतीक्षित येलो लाइन जनता को समर्पित करेंगे और बेंगलूरु-बेलगावी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखायेंगे।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा साझा किए गए कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी यहां के अपने लगभग चार घंटे के दौरे के दौरान तीन कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर एचएएल हवाई अड्डे पर उतरने के बाद प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर एवं सड़क मार्ग से केएसआर बेंगलूरु (शहर) रेलवे स्टेशन जाएंगे, जहां वे केएसआर बेंगलूरु-बेलगावी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे।

वह अमृतसर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा और अजनी (नागपुर)-पुणे के बीच दो और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाएंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी सड़क मार्ग से येलो लाइन पर आरवी रोड (रागीगुड्डा) मेट्रो स्टेशन जाएंगे और यहां 11 बजकर 45 मिनट से 12 बजकर 50 मिनट के बीच वह येलो लाइन को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री इलेक्ट्रॉनिक सिटी स्टेशन तक

मेट्रो में सफर करेंगे।

वहां से मोदी अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) बेंगलूरु जाएंगे, जहाँ संस्थान के सभागार में वह बेंगलूरु मेट्रो चरण-चार की आधारशिला रखेंगे और आरवी रोड (रागीगुड्डा) से बोम्मासंद्रा स्टेशन तक येलो लाइन का आधिकारिक उद्घाटन करेंगे।

इसके बाद वह हेलीकॉप्टर से एचएएल हवाई अड्डे जाएंगे और अपराह्न दो बजकर 45 मिनट पर दिल्ली वापस आ जाएंगे।

बेंगलूरु मेट्रो की आरवी रोड से बोम्मासंद्रा तक 19.15 किलोमीटर लंबी 16 स्टेशन वाली येलो लाइन 5,056.99 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है।

मेट्रो के चरण तीन के तहत बनने वाली 'ऑरेंज लाइन' 44.65 किलोमीटर लंबी होगा और इसके निर्माण पर अनुमानित 15,611 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

बेंगलूरु में 10 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के मद्देनजर यातायात परामर्श जारी

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के बेंगलूरु में 10 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर यातायात पुलिस ने सुबह साढ़े आठ बजे से दोपहर ढाई बजे तक कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध की घोषणा की है।

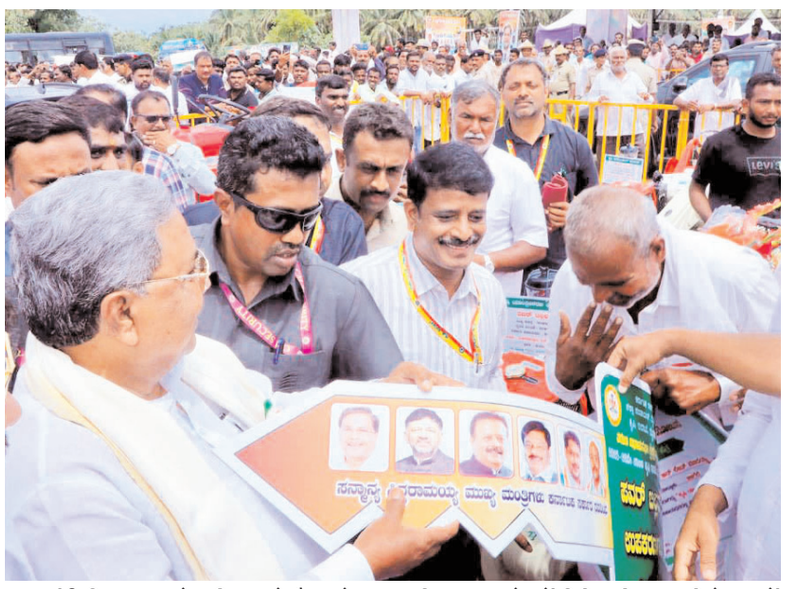

यातायात पुलिस द्वारा जारी परामर्श के अनुसार, इस दौरान वाहन चालक मारेनहल्ली मेन रोड (राजलक्ष्मी जंक्शन से मारेनहल्ली 18वीं मेन रोड), मारेनहल्ली पूर्व और मेन रोड जंक्शन से अरविंद जंक्शन, इलेक्ट्रॉनिक सिटी एलिवेटेड फ्लाईओवर होते हुए सिल्क बोर्ड से होसुर और होसुर रोड पर बेंगलूरु शहर की ओर जाने वाले मार्ग के इस्तेमाल से बचें। परामर्श के अनुसार, इंफोसिस एवेन्यू, वेलनकानी रोड और एचपी एवेन्यू रोड समेत इलेक्ट्रॉनिक सिटी फेज-1 में भी यातायात प्रतिबंध लागू रहेगा। भीड़ और जाम से बचने के लिए वैकल्पिक मार्ग सुझाए गए हैं। परामर्श के अनुसार, राजलक्ष्मी जंक्शन से जयदेव अस्पताल जाने के लिए सारक्की मार्केट रोड, 9वीं क्रॉस रोड, आईजी सर्किल और आरवी डेंटल जंक्शन मार्ग का उपयोग करें। बन्नेरघट्टा रोड तक पहुंचने के लिए, सारक्की जंक्शन से आउटर रिंग रोड की ओर जाएं। ईस्ट एंड सर्किल से बनशंकरी जाने के लिए 29वीं और 28वीं मेन रोड, डेलमिया जंक्शन, आउटर रिंग रोड, सारक्की जंक्शन और कनकपुरा रोड का उपयोग करें। होसुर रोड से कनकपुरा, मैसुरु और तुमकुरु जाने के लिए जिगानी रोड, बोम्मसंद्रा जंक्शन और एसआईसीई रोड का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। एसआईसीई रोड से होसुर रोड जाने वालों को बन्नेरघट्टा जंक्शन से निकलकर जिगानी रोड और बोम्मसंद्रा जंक्शन का इस्तेमाल करने को कहा गया है।

होसुर से सरजापुर, वर्थूर, व्हाइटफील्ड और होस्कोटे के लिए चंदापुरा जंक्शन से डोम्मसंद्रा रोड लें। एचएसआर लेआउट, कोरमंगला, बेलंदूर और व्हाइटफील्ड से होसुर जाने के लिए सरजापुर रोड और चंदापुरा मार्ग का उपयोग करें। इलेक्ट्रॉनिक सिटी फेज-1 के भीतर आवागमन के लिए दूसरी क्रॉस रोड, शिकरिपल्या रोड, हुलिमंगला रोड और गोल्लहल्ली रोड का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

पुलिस ने कहा कि मारेनहल्ली मेन रोड, चौथी मेन रोड और 18वीं मेन रोड पर पार्किंग पर भी सुबह साढ़े आठ बजे से दोपहर ढाई बजे तक प्रतिबंध रहेगा।

उदघाटन

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को मैसूरु के वरुणा विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री आज बेंगलूरु आएंगे, वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को बेंगलूरु मेट्रो की बहुप्रतीक्षित येलो लाइन जनता को समर्पित करेंगे और बेंगलूरु-बेलगावी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखायेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा साझा किए गए कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी यहां के अपने लगभग चार घंटे के दौरे के दौरान तीन कार्यक्रमों में भाग लेंगे। सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर एचएएल हवाई अड्डे पर उतरने के बाद प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर एवं सड़क मार्ग से केएसआर बेंगलूरु (शहर) रेलवे स्टेशन जाएंगे, जहां वे केएसआर बेंगलूरु-बेलगावी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। वह अमृतसर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा और अजनी (नागपुर)-पुणे के बीच दो और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी सड़क मार्ग से येलो लाइन पर आरवी रोड (रागीगुड्डा) मेट्रो स्टेशन जाएंगे और यहां 11 बजकर 45 मिनट से 12 बजकर 50 मिनट के बीच वह येलो लाइन को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री इलेक्ट्रॉनिक सिटी स्टेशन तक मेट्रो में सफर करेंगे। वहां से मोदी अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) बेंगलूरु जाएंगे, जहाँ संस्थान के सभागार में वह बेंगलूरु मेट्रो चरण-चार की आधारशिला रखेंगे और आरवी रोड (रागीगुड्डा) से बोम्मासंद्रा स्टेशन तक येलो लाइन का आधिकारिक उदघाटन करेंगे।

केरल में हत्या के दोषियों पर अदालत से लौटते समय शराब पीने को लेकर मामला दर्ज

कन्नूर (केरल)/भाषा। केरल में 2012 के सनसनीखेज टी.पी. चंद्रशेखरन हत्याकांड में दोषी ठहराए गए कोडी सुनी और अन्य दो पर एक अलग मामले के संबंध में अदालत में पेशी के बाद वापस जेल ले जाते समय सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। थालास्सेरी टाउन पुलिस ने आठ अगस्त की देर रात मामला दर्ज किया है।

कथित सीसीटीवी फुटेज में थालास्सेरी अतिरिक्त जिला न्यायालय से कन्नूर केंद्रीय कारागार वापस ले जाते समय सुनी, शिनोज और मोहम्मद शफी को एक होटल में शराब पीते हुए देखा गया, जिसके कारण हाल में राज्य में राजनीतिक विवाद उपज गया था।

विपक्षी कांग्रेस पहले से ही वामपंथी सरकार पर चंद्रशेखरन हत्याकांड के दोषियों को जेल में अनुचित लाभ देने और मानदंडों का उल्लंघन करते हुए उन्हें पैरोल देने का आरोप लगा रही थी। हालांकि दोषियों द्वारा शराब पीने की यह कथित घटना जून की थी, लेकिन पुलिस ने अब तक मामला दर्ज नहीं किया है। इस मुद्दे पर विवाद बढ़ने के बाद तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि केरल आबकारी अधिनियम की धारा 15 (सी) (सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर प्रतिबंध) और धारा 63 (लागू न होने वाले अपराधों के लिए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, आरोपियों ने 17 जून को यहां एक होटल के कार पार्किंग क्षेत्र में सार्वजनिक रूप से शराब पीकर मौजूदा आबकारी नियमों का उल्लंघन किया है।

'रिवोल्यूशनरी मार्क्सिस्ट पार्टी' (आरएमपी) के नेता चंद्रशेखरन की चार मई 2012 को कोझिकोड जिले के ओंचियम में हमलावरों के एक गिरोह द्वारा बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, जिसमें सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेताओं पर इस घटना में साजिश होने के आरोप लगे थे।

खतरे के निशान से ऊपर बह रही है गंगा

पटना/भाषा। लगातार बारिश और कई नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण शनिवार को राज्य के कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, भोजपुर, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा और कटिहार जिलों के कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति देखी गई। जल संसाधन विभाग के ताजा बुलेटिन के अनुसार, गंगा नदी मनेर, दानापुर, दीघा घाट, गांधी घाट, बांका घाट और हथीदह जैसे स्थानों पर (शनिवार सुबह नौ बजे तक) खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। पिछले दो-तीन दिन से लगातार बारिश के बाद राज्यभर की अन्य नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को पटना जिले में 89,000 से अधिक लोगों को निचले इलाकों से निकालकर राहत शिविरों में पहुंचाया गया।

परम्परा और विरासत को आगे बढ़ाने में बहनों का अहम योगदान : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन पर्व पर शनिवार को यहां वीरागंनाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी बहनों एवं स्कूल-कॉलेज छात्राओं से रक्षासूत्र बंधवाया। शर्मा ने बहनों को रक्षाबंधन की बधाई देते हुए कहा कि इस त्यौहार का हमारी संस्कृति में बहुत महत्व है। यह भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक है। हमारे ऐसे त्यौहारों में समरसता एवं एकरूपता का संदेश निहित होता है। उन्होंने कहा कि हमारी परम्परा और विरासत को आगे बढ़ाने में बहनों का अहम योगदान है।

बहनें परिवार में विभिन्न भूमिकाएं निभाते हुए उसे संजोने एवं संस्कारित करने की जिम्मेदारी निभाती है। इसलिए हमारी संस्कृति में बहनों का स्थान सर्वोपरि होता है। शर्मा ने कहा रक्षाबंधन के इस पावन पर्व पर छोटी एवं बड़ी बहनों का स्नेह एवं आशीर्वाद मुझे मिला है। यह मेरे लिए अभेद्य सुरक्षा कवच है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य क्षेत्रों के साथ ही सामाजिक सरोकारों के माध्यम से भी देश को आगे बढ़ाया है। उन्होंने स्वच्छता, लिंगानुपात, पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में अभियान चलाकर देशभर में जन-जागरूकता की अलख जगाई। मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों से आह्वान किया कि वे पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने के साथ ही सामाजिक कार्यों से भी जुड़ें और केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित भाई-बहनों को उनका लाभ दिलाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। इससे ही समाज में बदलाव आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माता-बहनों के शिक्षित एवं सशक्त होने से ही देश और प्रदेश उत्कृष्ट बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश की नारियों ने अपने महान कार्यों से इतिहास रचा है, उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे भी जीवन में साहसिक रूप से कार्य करते हुए अपने सपनों को पूरा करें। कार्यक्रम में शर्मा ने वीरांगना बहनों से राखी बंधवाई और उनका विशेष सम्मान किया। इस दौरान प्रजापिता ब्रह्मकुमारिज संस्थान की चन्द्रकला दीदी तथा अन्य प्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री एवं उनकी धर्मपत्नी गीता शर्मा को रक्षासूत्र बांधा वहीं स्कूलों में पढ़ने वाली बहनों ने जब अपने नन्हें हाथों से शर्मा को राखी बांधी तो उन्होंने उनके सिर पर हाथ रखकर स्नेहिल आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों से संवाद किया और उन्हें सम्मानस्वरूप उपहार भेंट किए। इस दौरान चिकित्सा, कानून व्यवस्था एवं न्याय सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी नारी शक्ति ने राज्य सरकार द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

झेंप मिटाने के लिए खैरथल तिजारा का नाम बदला है : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा है कि राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण बाघ आवास (सीटीएच) क्षेत्र के मामले में उच्चतम न्यायालय में मुंह की खाने के बाद झेंप मिटाने के लिये खैरथल तिजारा जिले का नाम बदल कर भर्तृहरि नगर किया है। जूली ने शनिवार को राजस्थान में अलवर में पत्रकारों से कहा कि जिस जिले में भर्तृहरि जी का कोई स्थान नहीं, उस जिले का नाम भतृहरि रखने का कोई औचित्य नहीं है। खैरथल-तिजारा का नाम बदलकर भर्तृहरि नगर करने को राजनीतिक प्रचार करार देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता राजनीति की रोटियां सेंकने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। वे जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। हमने यहां पर भर्तृहरि के नाम की कॉरिडोर बनाने की मांग की थी, लेकिन वह नहीं मानी गयी। उन्होंने आरोप लगाया कि भू-माफियाओं को फायदा पहुंचाने के लिए सरिस्का के सीटीएच में छेड़छाड़ की जा रही है, जो जनहित के विपरीत है। इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के बाद केंद्रीय और राज्य वन मंत्री की किरकिरी हुई है, जो भाजपा की नीतियों की पोल खोलती है।

वोट चोरी का जिक्र करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि मोदी सरकार के इशारे पर जिस तरह सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग काम कर रहे हैं, उसी तरीके से अब निर्वाचन विभाग भी उसके इशारे पर काम कर रहा है। शपथ पत्र के सवाल परे उन्होंने कहा कि किस चीज का शपथ पत्र। जब उन्होंने सुबूत दे दिया तो अब क्या चुनाव अधिकारी को क्या सबूत चाहिए। यह सीधे-सीधे वोट चोरी का मामला है और इसी वोट चोरी के आधार पर भारतीय जनता पार्टी सरकार बनती है।

सावन के अंतिम दिन शिवालयों में गूंजा 'बम बम भोले' के जयकारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के शिवालय पवित्र सावन महीने के अंतिम दिन शनिवार को 'बम-बम भोले' के जयकारों से गूंज उठे। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के प्रसिद्ध हरणी महादेव मंदिर से लेकर पुर के पातोला महादेव और तिलस्वां महादेव तक, हर जगह भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और आस्था के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक करके पूजा-अर्चना की और मनोकामनाएं मांगीं। आज का मुख्य आकर्षण हरणी महादेव मंदिर रहा, जहां भगवान भोलेनाथ को बर्फ से बाबा अमरनाथ का मनमोहक रूप दिया गया। इस अद्भुत झांकी के दर्शन के लिए मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लग गईं।

महिलाएं, युवतियां और पुरुष नंगे पैर भोले के दरबार में पहुंचे और जलाभिषेक किया। हरणी महादेव ट्रस्ट के ट्रस्टी महादेव जाट ने बताया कि भोलेनाथ का बर्फ से अमरनाथ स्वरूप का श्रृंगार किया गया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पूरे सावन के महीने में पिछले वर्षों की तुलना में भक्तों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। भक्तों की सुविधा के लिए इस बार पानी, प्रसाद और दर्शन के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे, जिसके चलते किसी भी श्रद्धालु को कोई दिक्कत नहीं हुई। दूसरी तरफ हरणी महादेव के अलावा जिले के अन्य प्रमुख शिवालयों में भी दिनभर उत्सव का माहौल रहा। पुर स्थित पातोला महादेव, प्रसिद्ध तिलस्वां महादेव मंदिर और त्रिवेणी संगम पर मेले जैसा दृश्य देखने को मिला। तिलस्वां महादेव ट्रस्ट के सचिव मांगीलाल धाकड़ ने बताया कि भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं और सावन के अंतिम दिन विशेष अनुष्ठान भी आयोजित किए गए। पूरे सावन महीने में भक्ति में डूबे रहने के बाद, अंतिम दिन भक्तों ने भगवान शिव की विशेष पूजा की।

रक्षाबंधन पर बहनों के लिए रोडवेज बसों में दो दिन की यात्रा निःशुल्क : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री निवास पर शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आई बहनों ने राखी बांधी। इस दौरान शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती गीता शर्मा भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में भाई-बहन का रिश्ता बहुत स्नेहपूर्ण होता है। बहन अपने भाई की दीर्घायु और उन्नति के लिए ईश्वर से सदैव प्रार्थना करती है। उन्होंने कहा कि बहनें सावन माह के अंत में मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की कई दिनों पूर्व से ही पूर्ण उत्साह और उमंग के साथ तैयारियां करती हैं।

मुख्यमंत्री को राखी बांधने के दौरान बहनों के चेहरों पर खुशी और उत्साह नजर आया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निवास पर आकर ऐसा महसूस हो रहा है कि हम अपने भाई को राखी बांधने मायके आई हैं। उन्होंने प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और विभिन्न योजनाओं के संचालन के लिए मुख्यमंत्री शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर रक्षाबंधन पर्व के पारंपरिक लोकगीत भी गाए गए।

शर्मा ने कहा कि बहनों द्वारा बांधी गई राखी मेरा मजबूत सुरक्षा कवच है। इस रक्षासूत्र में बहनों का प्यार, स्नेह और आशीर्वाद है, जिससे मुझे और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करने की ताकत मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश की सभी बहनों के लिए रोडवेज बसों में दो दिन की निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी है।शर्मा ने कहा कि हमारी बहनें विभिन्न भूमिकाओं में देश और प्रदेश की उन्नति में अपना योगदान दे रही हैं। उन्होंने आह्वान किया कि सभी बहनें पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने के साथ ही सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ें।

सरकारी अस्पताल में बदमाशों ने किया हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू।राजस्थान में झुंझुनू जिले के खेतड़ी में स्थित सरकारी अस्पताल में घुसकर बदमाशों ने लाठी- डंडों से हमला कर दिया। अस्पताल सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को रात करीब 12 बजे सरकारी अस्पताल के वार्ड में लाठी-डंडों से युक्त करीब 20 बदमाशों ने हमला कर दिया। अस्पताल में तोड़फोड़ की गई। इमरजेंसी में इलाज करा रहे युवक पर एक साथ कई बदमाशों ने लाठियों से हमला बोला। इस दौरान अफरा-तफरी मच गयी। डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ से भी मारपीट की गयी। घटना के विरोध मे शनिवार सुबह अस्पताल का स्टाफ धरने पर बैठ गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस मौके पर पहुंची थी, पर कार्रवाई नहीं की गयी। राजकार्य में बाधा डालने, अस्पताल में तोड़फोड़ एवं स्टाफ से मारपीट की शिकायत खेतड़ी थाने में दी गयी है। घटना के समय खेतड़ी के सरकारी अस्पताल में तैनात डॉ सुनील कुमार झाझड़िया ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 12 बजे गजेंद्र घायल अवस्था में अस्पताल आया था। उसने मोटर साइकिल से गिरने की बात कही थी। रात्रि ड्यूटी स्टाफ उसका इलाज कर रहा था। तभी करीब 20 युवक लाठी-सरिया लेकर अस्पताल में घुस आये। उन्होंने वहां तोड़फोड़ की।

आपातकक्ष रूम में घुस आये और गजेंद्र (घायल) पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे ड्यूटी डॉक्टर और स्टाफ के साथ भी मारपीट की गयी। अभद्र व्यवहार किया गया। इस दौरान बदमाशों ने धमकाते हुए उनके साथ आये एक घायल का इलाज करने के लिए कहा। डॉ झाझड़िया ने बताया कि हमले के दौरान स्टाफ ने कमरों में छिपकर अपनी जान बचायी। सूचना मिलने पर खेतड़ी पुलिस पहुंची, लेकिन हमलावरों को हिरासत में लेने के बजाय 'सुबह देखेंगे' कहकर कार्रवाई टाल दी। आरोपियों की मौजूदगी में पुलिस को हमने घटनाक्रम के वीडियो दिखाये, लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ने के बजाय आरोपियों सहयोग किया। डॉ प्रवीण कुमार शर्मा की रिपोर्ट पर नौ नामजद और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

राजस्थान में पारंपरिक उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया राखी का त्योहार

जयपुर। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक राखी का त्योहार शनिवार को पूरे राजस्थान में पारंपरिक उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया। इस दौरान बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। राज्य सरकार ने रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए दो दिन तक रोडवेज बस में नि:शुल्क यात्रा की घोषणा की है। रेलवे ने भी त्योहार को देखते हुए विशेष ट्रेन चलाई हैं।

राजधानी जयपुर सहित सभी शहरों, कस्बों व गांवों में सुबह से ही महिलाओं, युवतियों व बच्चियों में रक्षाबंधन को लेकर उत्साह देखा गया। बाजार खुलते ही राखी व मिठाई की दुकानों पर भीड़ नजर आई। राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे को एस.ओ. एस. बालग्राम की बालिकाओं और ब्रह्माकुमारीज की बहनों ने रक्षा सूत्र बांधे। बागडे ने कहा कि रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का पावन पर्व है। यह पर्व परस्पर स्नेह और प्यार के साथ भाइयों द्वारा बहनों की सुरक्षा का संदेश देता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास में रक्षा बंधन मनाया, जहां स्कूल और कॉलेज की छात्राओं ने मुख्यमंत्री को रक्षा सूत्र बांधे।

एसआई भर्ती प्रश्नपत्र लीक प्रकरण में हेड कांस्टेबल और उसका बेटा गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुलिस के अनुसार, यादव मालवीया के तत्कालीन निजी सचिव कुंदन कुमार पांड्या से परिचित थे। जिन पर तत्कालीन राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्य बाबूलाल कटारा से लीक हुआ एसआई भर्ती पेपर प्राप्त करने का आरोप है।

जयपुर। राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा 2021 के पेपर लीक मामले में हेड कांस्टेबल राजकुमार यादव और उसके बेटे भरत यादव को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को 12 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। आरोपी हेड कांस्टेबल राजकुमार पुलिस आयुक्तालय जयपुर में तैनात है। वह पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) रह चुका है। गहलोत ने उम्मीद जताई है कि एसओजी बिना किसी दबाव के इस मामले की जांच कर तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचेगी।

पुलिस के अनुसार पेपर लीक प्रकरण में गिरफ्तार प्रोबेशनर उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह यादव से पूछताछ के दौरान सामने आया कि उसने प्रश्न पत्र परीक्षा से पहले ही आयुक्तालय जयपुर में तैनात हैड कांस्टेबल राजकुमार यादव से ले लिया था। जांच में राजकुमार यादव द्वारा अपने बेटे भरत एवं परिचित रविन्द्र सैनी को भी लिखित परीक्षा से पहले ही उक्त लीक प्रश्नोत्तर सेट पढ़ाने की बात सामने आई है। इस पर आरोपी राजकुमार एवं उसके बेटे भरत को आज गिरफ्तार करके 12 अगस्त तक पुलिस हिरासत में लिया गया।

पुलिस अनुसार राजकुमार यादव से मिले प्रश्नोत्तर सेट को परीक्षा से पहले पढ़कर सत्येंद्र सिंह मैरिट में क्रमांक 12 पर और रविन्द्र सैनी 156 पर रहा और अविधिक रूप से उपनिरीक्षक के पद पर चयनित हुए। भरत यादव अविधिक रूप से उपनिरीक्षक की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ था। हालांकि वह शारीरिक दक्षता परीक्षा में विफल रहा।

हेड कांस्टेबल राजकुमार, गहलोत के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान उनकी सुरक्षा में कार्यरत थे और राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद भी उनके पीएसओ के रूप में कार्यरत रहे। वह पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत मालवीया के पीएसओ भी रह चुके हैं।

पुलिस के अनुसार, यादव मालवीया के तत्कालीन निजी सचिव कुंदन कुमार पांड्या से परिचित थे। जिन पर तत्कालीन राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्य बाबूलाल कटारा से लीक हुआ एसआई भर्ती पेपर प्राप्त करने का आरोप है। पंड्या ने कथित तौर पर पेपर अपने दो साथियों को दिया जिनमें से एक राजकुमार यादव था। इसी मामले में एसओजी ने पांच जून को पांड्या को गिरफ्तार किया था।

वहीं गहलोत ने इस 'एक्स' पर लिखा, मीडिया के माध्यम से जानकारी में आया है कि मेरी सुरक्षा में तैनात जयपुर पुलिस लाइन के एक हेड कांस्टेबल एवं उनके पुत्र को एसओजी ने हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा किकिसी भी व्यक्ति की अपराध में कोई संलिप्तता हो तो कानून अपना काम करे, मुझे आशा है कि एसओजी बिना किसी दबाव के इस मामले की जांच कर एक तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचेगी। उल्लेखनीय है कि इस भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले की जांच एसओजी कर रही है जिसके चलते कई सरकारी अधिकारियों और बिचौलियों की गिरफ्तारी हुई है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) ने 2021 में सब इंस्पेक्टर और प्लाटून कमांडर के 859 पदों के लिए विज्ञापन दिया था। भर्ती परीक्षा के दौरान पेपर लीक के आरोप सामने आए, जिसके बाद सरकार ने राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) को जांच सौंप दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस प्रकरण में अब तक 54 प्रशिक्षु उप निरीक्षक सहित कुल 120 आरोपी गिरफ्तार किये जा चुके हैं। राजस्थान सरकार ने उक्त परीक्षा रद्द करने या न करने का फैसला लेने के लिए पिछले साल एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया था। समिति ने उच्च न्यायालय में कहा कि मामले की जांच अभी भी जारी है, इसलिए परीक्षा रद्द करना उचित नहीं होगा।

दीया कुमारी ने आर्मी कैंप में जवानों को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शनिवार को यहां दक्षिण-पश्चिमी कमांड मुख्यालय में रक्षाबंधन का पर्व सैनिकों के साथ मनाया। इस अवसर पर श्रीमती दीया कुमारी ने दक्षिण-पश्चिमी कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह सहित अधिकारियों और जवानों को राखी बांधी। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला मोर्चा की कार्यकर्ता भी इस अवसर पर मौजूद थी।

कार्यक्रम के दौरान श्रीमती दीया कुमारी ने कहा जनता की सेवा के लिए जो बलिदान और समर्पण सेना के जवान करते हैं, वह सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अनेक अवसरों पर हमारे सैनिकों के बीच त्यौहार मनाते हैं और उनसे ही मैंने यह प्रेरणा ली है। उन्होंने ऑपरेशन 'सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि देश के लिए इस अभियान में सेना ने जो साहसिक कार्य किया, वह अविस्मरणीय है। हर समय सेना दुश्मन के सामने मजबूती से खड़ी रहती है। उन्होंने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। केंद्र सरकार ने सेना को निर्णय लेने की पूरी स्वतंत्रता दी, जो एक महत्वपूर्ण फैसला था। इसी कारण आज हमारा देश सुरक्षित है और हम सभी खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं।

ट्रेलर की टक्कर से कार में सवार पांच लोगों की मौत

दौसा। राजस्थान में दौसा जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र में को तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आकर कार में सवार पांच लोगों की मौत हो गयी। थानाधिकारी अशोक चौधरी ने बताया कि कार में सवार जयपुर से परीक्षा देकर लौट रहे थे। शाम को जयपुर आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग-21 पर विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर का अचानक टायर फट गया। इससे वह अनियंत्रित होकर डिवाइडर को पार करता हुआ कार से टकरा गया।

इससे कार में सवार एक युवक और एक युवती की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि तीन लोग घायल हो गये। उन्होंने बताया कि घायलों को जयपुर भेजा गया जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान यादराम मीणा (36), अर्चना मीणा (20), मोनिका मीणा (18) और वेदिका मीणा के साथ ही एक अन्य युवक मुकेश महावर (27) के रूप में हुई है।

सुभद्रा योजना के तहत ओडिशा के मुख्यमंत्री माझी ने एक करोड़ महिलाओं को 5000 करोड़ रुपए दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रक्षा बंधन के अवसर पर शनिवार को सुभद्रा योजना के तहत तीसरी किस्त के रूप में लगभग एक करोड़ महिलाओं में कुल पांच हजार करोड़ रुपए वितरित किए।

माझी ने कोरापुट जिले के जयपुर में एक विशेष कार्यक्रम में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थियों को राशि प्रदान की। उन्होंने बताया कि लाभार्थियों में 1,783 महिलाएं आंध्र प्रदेश सीमा के निकट कोरापुट जिले के कोटिया पंचायत की हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना पिछले वर्ष 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई थी और मात्र साढ़े छह महीने में सभी पात्र महिलाओं को इस योजना के अंतर्गत शामिल कर लिया गया। उन्होंने कहा कि इस योजना से 17 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनने में मदद मिली है, जो प्रधानमंत्री मोदी द्वारा परिकल्पित एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का हिस्सा है। माझी ने बताया कि पूरे देश में ओडिशा सबसे ज्यादा 'लखपति दीदी' बनाने वाला राज्य बन गया है, इस मामले में राज्य पहले स्थान पर है। माझी ने कहा कि उनकी सरकार ने पश्चिमी ओडिशा विकास परिषद (डब्ल्यूओडीसी) की तर्ज पर दक्षिण ओडिशा विकास परिषद (एसओडीसी) की स्थापना करने का निर्णय लिया है। माझी ने कहा कि मंत्री नित्यानंद गोंड की अध्यक्षता में एक विशेष बल का गठन किया गया है और क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए 200 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया गया है।

पूर्वांचल में बाढ़ ने रक्षा बंधन की खुशियों को किया फीका

कई लोग नाव से पहुंचे बहनों के घर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/बलिया (उप्र)/भाषा। पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में आई बाढ़ ने रक्षाबंधन के त्योहार में अवरोध पैदा किया और बहुत से भाइयों की कलाई सूनी रह गई। कुछ लोगों ने नाव का सहारा लेकर अपनी बहन के यहां पहुंचकर राखी बंधवाई, लेकिन बहुत से लोग इससे वंचित भी रह गए। लोगों ने बताया कि शनिवार को बाढ़ प्रभावित इलाकों में रक्षाबंधन का पर्व काफी फीका रहा। वाराणसी में वरुणा पार की निवासी मंजू देवी ने कहा कि क्षेत्र में पानी भरे होने की वजह से इस बार रक्षाबंधन में मेरे भाई नाव से आये हैं।

मंजू के भाई सौरभ गुप्ता ने कहा कि ''बहन के घर के आस पास बाढ़ का पानी जमा होने की वजह से वह हमारे घर आने से मना कर रही थी, लेकिन रक्षाबंधन का त्यौहार एक साल बाद आता है, इसलिए वह बाढ़ के बावजूद नाव का सहारा लेकर बहन के घर आए हैं।

ऐसे और भी कई लोग नाव लेकर बहन के घर पहुंचे और कुछ बहनें भी नाव से भाई को राखी बांधने पहुंची लेकिन ज्यादातर लोगों की राह बाढ़ ने रोक ली। पाण्डेयपुर हुकुलगंज क्षेत्र के चंद्रकांत सिंह ने बताया कि कुछ घरों में पानी घुस गया है, जिससे घर के सदस्य दूसरे तल पर रह रहे हैं, कुछ लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। सिंह ने कहा कि रक्षा बंधन पर बहनों को काफी दिक्कत हो रही है और कुछ बहनें नाव से राखी बांधने आ रही हैं।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार शनिवार की सुबह गंगा का जलस्तर 69.8 मीटर पर पहुंच गया, जबकि खतरे का निशान 71.262 मीटर है। वाराणसी के जिलाधिकारी सतेंद्र कुमार ने बताया कि गंगा का जलस्तर बुधवार से ही घट रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा, अस्सी और वरुणा के कुल 28 वार्ड बाढ़ से प्रभावित हैं, कुल 24 बाढ़ राहत शिविर बनाये गए हैं, जिनमें 4,500 बाढ़ प्रभावित लोग रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें संयुक्त रूप से कार्य कर रही है और बाढ़ राहत टीम लगातार लोगों से संपर्क करके उनकी हर प्रकार की मदद कर रही है। उधर, बलिया जिले में गंगा नदी और सरयू नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण बलिया सदर, बैरिया और बांसडीह तहसील क्षेत्र के कई गांव जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन ने हर गांव में आवागमन के लिए नाव का प्रबंध किया है, लेकिन प्रशासन का प्रबंधन बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में प्रभावित परिवारों के लिए नाकाफी साबित हो रहा है। बैरिया तहसील क्षेत्र अंतर्गत मिश्र के मठिया की रहने वाली ममता देवी उर्फ अनीता को यह मलाल है कि आज वह अपने भाई को राखी नहीं बांध सकीं।

अनीता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उनका मायका गंगा नदी के पार नौरंगा में है। वह हर साल भाई को राखी बांधने के लिए ससुराल से मायके जाती थीं, लेकिन इस साल आपदा रूपी बाढ़ ने उनका रास्ता रोक दिया। वहीं, रामपुर दीघार गांव निवासी राजेश पांडेय ने बताया कि बाढ़ की वजह से वे अपनी बहन के ससुराल नैनीजोर नहीं जा सकें। उन्होंने कहा कि बहुत साल बाद ऐसा हुआ है कि बाढ़ की वजह से बहन से राखी नहीं बंधवा सका। मझौवा गांव की रिंकी सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वह गंगा नदी के पार स्थित अपने मायके महुवार नहीं जा सकीं। उन्होंने कहा कि बाढ़ की वजह से कई फुट पानी को पार करके मायके जा पाना उनके लिए संभव नहीं हो सका।

'काकोरी ट्रेन एक्शन' के 100 वर्ष पूरे होने पर

मुख्यमंत्री योगी ने क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि दी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर क्रांतिकारियों और वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ब्रिटिश शासन की चूलें हिला देने वाले 'काकोरी रेल एक्शन' की वर्षगांठ पर सभी अमर क्रांतिवीरों को शत-शत नमन!'' उन्होंने इसी पोस्ट में कहा, मां भारती के सपूतों की यह शौर्य गाथा देश वासियों के लिए प्रेरणापुंज है। इन वीरों का त्याग, साहस और राष्ट्र प्रेम सदैव हमारे हृदयों को 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, काकोरी ट्रेन एक्शन' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में साहस, बलिदान व अटूट देशभक्ति का अमर प्रतीक है। देश इन अमर वीरों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को युगों-युगों तक श्रद्धा पूर्वक स्मरण करता रहेगा।

नौ अगस्त 1925 को काकोरी में भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों ने ब्रिटिश राज के विरुद्ध क्रांति के लिए हथियार खरीदने के मकसद से ब्रिटिश सरकार का खजाना लूट लिया था। इस मामले में 1927 में, राम प्रसाद 'बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र नाथ लाहिड़ी को ब्रिटिश सरकार ने फांसी दे दी थी।

झारखंड के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला दायर किया : निशिकांत दुबे

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को कहा कि उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) समेत झारखंड के अधिकारियों पर विशेषाधिकार हनन का आरोप लगाया गया है। दुबे ने यह कदम अपने खिलाफ 'धार्मिक भावनाओं को आहत' करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद उठाया है। झारखंड पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे व मनोज तिवारी और अन्य के खिलाफ दो अगस्त को देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। दुबे ने 'एक्स' पर कहा, मेरे खिलाफ 51 मामले दर्ज हैं। मैंने झारखंड के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, देवघर के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत विशेषाधिकार हनन का मामला दायर किया है। मंदिर के पुजारी कार्तिकनाथ ठाकुर की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

झारखंड में दो मालगाड़ियां पटरी से उतरीं, ट्रेन सेवाएं प्रभावित

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में चांडिल के पास शनिवार तड़के दो मालगाड़ियों के 20 से अधिक डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे दक्षिण पूर्व रेलवे के चांडिल-टाटानगर खंड के बीच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि मालगाड़ी के पटरी से उतरने की इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने पहले बताया था कि एक मालवाहक रेलगाड़ी पटरी से उतर गई थी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक (आद्रा मंडल) विकास कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मालगाड़ी के पटरी से उतरने के कारण चांडिल के आसपास ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा कि ट्रेन सेवा बहाल करने का काम जारी है और विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक ने बताया कि कई रेलगाड़ियों का या तो मार्ग बदल दिया गया है या उन्हें बीच में ही रोक दिया गया है या रद्द कर दिया गया है। रेलवे के एक बयान में कहा गया है कि पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस, टाटा-कटिहार एक्सप्रेस (अप और डाउन), टाटा-आरा एक्सप्रेस शनिवार को रद्द रहेंगी। इसमें कहा गया है कि भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस (संबलपुर के रास्ते) को झारसुगुड़ा-राउरकेला-नुआगांव-हटिया-बोकारो स्टील सिटी-राजाबेरा के रास्ते चलाया जा रहा है, जबकि भुवनेश्वर-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को हिजिली-मोदीनगर-आद्रा-भोजुडीह-गोमो के रास्ते चलाया जाएगा। टाटा-आसनसोल और टाटा-हटिया समेत तीन यात्री मेमू ट्रेन आज रद्द रहेंगी।

बयान में कहा गया है कि चांडिल-कांद्रा के बीच फंसी एलटीटी-हावड़ा एक्सप्रेस का मार्ग छोटा कर दिया जाएगा और उसे टाटा-खड़गपुर-हावड़ा के रास्ते चलाया जाएगा।

अरुणाचल प्रदेश में सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच गोलीबारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में शनिवार तड़के उग्रवादियों और असम राइफल्स के बीच गोलीबारी हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संदिग्ध नगा उग्रवादियों ने तड़के तीन से चार बजे के बीच लाजू के पास नोग्लो में असम राइफल्स के शिविर को निशाना बनाकर गोलीबारी की। तिरप के पुलिस अधीक्षक (एसपी) आदित्य ने बताया कि असम राइफल्स के जवानों ने हल्की मशीनगनों से जवाबी कार्रवाई की, जिससे हमलावर भाग गए। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने या किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा, स्थिति सामान्य है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हम स्थिति का आकलन कर रहे हैं।

निर्वाचन आयोग पर यदि भरोसा नहीं तो लोकसभा से इस्तीफा दें राहुल गांधी : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर ''वोट चोरी'' से जुड़े उनके दावे पर हस्ताक्षरित शपथपत्र नहीं देने के लिए शनिवार को निशाना साधा और कहा कि यदि कांग्रेस नेता को निर्वाचन आयोग पर भरोसा नहीं है तो उन्हें लोकसभा की सदस्यता से ''नैतिक आधार'' पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा से कहा कि यदि उन्हें चुनावों में विश्वास नहीं है तो वे राज्यसभा और लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दें।

भाटिया ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप (राहुल गांधी) मीडिया के सामने निराधार आरोप लगाते हैं और फिर जब संवैधानिक संस्था सबूत और हस्ताक्षरित शपथपत्र मांगती है तो देने से इनकार कर देते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने उच्चतम न्यायालय के एक पुराने फैसले का हिस्सा पढ़ते हुए कहा कि शीर्ष अदालत ने कहा था कि निर्वाचन आयोग की नेकनीयती पर कोई संदेह नहीं है और यह बात सर्वविदित है कि निर्वाचन आयोग ने पिछले कुछ वर्षों में एक निष्पक्ष संस्था के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनायी है। भाटिया ने कहा, राहुल गांधी, अगर आपको निर्वाचन आयोग और उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों पर भरोसा नहीं है, तो एक काम कीजिए: सबसे पहले आप लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दीजिए। प्रियंका गांधी, आप भी इस्तीफा दीजिए। सोनिया गांधी, आप भी कम से कम नैतिक आधार पर इस्तीफा दीजिए, क्योंकि आप उसी निर्वाचन आयोग पर सवाल उठा रही हैं।

बिहार: नीतीश कुमार ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए पेड़ को राखी बांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को रक्षाबंधन के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाने के लिए एक पेड़ को राखी बांधी।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पर्यावरण मंत्री सुनील कुमार और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव हरजोत कौर के साथ मुख्यमंत्री ने बिहार की राजधानी पटना के एक लोकप्रिय पार्क राजधानी वाटिका में एक पौधा भी लगाया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, मुख्यमंत्री ने लोगों से पेड़ों की रक्षा का संकल्प लेने की अपील की। राज्य सरकार बिहार के हरित क्षेत्र की रक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए 2012 से रक्षाबंधन को 'बिहार वृक्ष सुरक्षा दिवस' के रूप में मनाती आ रही है। बयान में कहा गया है कि इस परंपरा की शुरुआत कुमार ने 2012 में की थी।

राहुल को बिहार चुनाव में हारने का आभास : जाधव

इसलिए निर्वाचन आयोग पर 'वोट चोरी' का आरोप लगा रहे

सांबा/जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में हार का आभास हो गया है और इसलिए वह निर्वाचन आयोग पर आरोप लगा रहे हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य सीमा पार आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करना था, न कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की घोषणा करना। आयुष (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री जाधव सांबा जिले के विजयपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 'सिंदूर महा रक्तदान' शिविर का उद्घाटन करने के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। सरकार के अनुसार, महाराष्ट्र के 1,000 से अधिक पहलवान सशस्त्र बलों के लिए आयोजित विशेष शिविर में रक्तदान करेंगे। मंत्री ने यह आलोचना कांग्रेस नेता द्वारा सत्तारूढ़ भाजपा और निर्वाचन आयोग में मिलीभगत होने तथा चुनावों में ''बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी'' करने के आरोपों के जवाब में की।

मणिपुर संकट को सुलझाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर में संकट को हल करने के लिए कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं होने का दावा करते हुए विपक्षी दल कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा नीत गठबंधन के पास 54 विधायक होने के बावजूद वह राज्य में सरकार नहीं बना सकती। 'भारत छोड़ो आंदोलन' की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बात करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशम मेघचंद्र ने कहा कि राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद गोलीबारी तो बंद हो गई है, लेकिन लोग स्वतंत्र रूप से नहीं घूम सकते। इस सप्ताह के प्रारंभ में, संसद ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि 13 अगस्त के बाद छह महीने के लिए बढ़ाने के लिए एक वैधानिक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

मेघचंद्र ने कहा, हमने राज्य की मौजूदा कानून-व्यवस्था पर भाजपा नेतृत्व को कई बार सुझाव और ज्ञापन दिए हैं। लेकिन केंद्र की भाजपा नीत सरकार हमारी बातों को गंभीरता से नहीं लेती। 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद गोलीबारी भले ही रुक गई हो, लेकिन लोग अभी भी आजादी से नहीं घूम सकते। कांग्रेस नेता ने कहा, सामाजिक कल्याण योजनाएं ठप पड़ी हैं और राज्य की वित्तीय स्थिति गंभीर संकट में है। हम राष्ट्रपति शासन को छह महीने और बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं। जनता की शिकायतों और परेशानियों को सुनने वाला कोई नहीं है।

अरुणाचल प्रदेश की बांस से एथनॉल बनाने की योजना : ओजिंग तासिंग

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मंत्री ओजिंग तासिंग ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार बांस को नवीकरणीय फीडस्टॉक के रूप में इस्तेमाल करके देश का पहला निजी 2जी एथनॉल संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि राज्य ने स्वच्छ ऊर्जा रूपांतरण में अग्रणी बनने के लिए यह कदम उठाया है। यह घोषणा राज्य के ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री तासिंग ने 'अरुणाचल प्रदेश टिकाऊ जैव-औद्योगिक विकास में अग्रणी' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये शामिल होने के बाद सोशल मीडिया पर की। तासिंग ने इस पहल को राज्य के लिए हरित और समृद्ध भविष्य की रूपरेखा तैयार करने के लिए ऐतिहासिक मंच बताया। उन्होंन कहा, यह महत्वाकांक्षी परियोजना एक तकनीकी सफलता से कहीं अधिक है। यह भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए अरुणाचल प्रदेश के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बांस का उपयोग राज्य के प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों और संवहनीयता के लिए उसकी प्रतिबद्धता के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

पुलिस ने बिना उकसावे के मेरे साथ बदसलूकी की, मेरी चूड़ियां तोड़ दीं : आरजी कर की पीड़िता की मां

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की पीड़िता की मां ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल राज्य सचिवालय 'नबान्न' तक मार्च में शामिल होने के लिए जाते समय महिला पुलिसकर्मियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। यह मार्च सरकारी अस्पताल में उनकी बेटी की कथित दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने की घटना के एक साल पूरे होने पर निकाला गया था। यह हमला कथित तौर पर उस समय हुआ जब कोलकाता पुलिस ने शहर के मध्य भाग में पार्क स्ट्रीट क्रॉसिंग पर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारी सचिवालय तक पहुंचने के लिए पुलिस बैरिकेड को तोड़ने और विद्यासागर सेतु की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया, पुलिस ने मुझे धक्का दिया और जमीन पर गिरा दिया। उन्होंने मेरा शंख (पारंपरिक शंख चूड़ी) तोड़ दिया और मेरे सिर में चोट आई। उन्होंने दावा किया कि पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प के दौरान चार से पांच पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की।

वायुसेना प्रमुख से खुलासे के बाद सवाल है कि प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर अचानक क्यों रोका : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह के एक बयान को लेकर शनिवार को कहा कि अब यह प्रश्न और भी जरूरी हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 मई की शाम को अचानक ऑपरेशन सिंदूर क्यों रोक दिया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि यह अभियान रोकने के लिए दबाव कहां से आया?

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह द्वारा आज किए गए नए खुलासे के बाद, यह सब और भी अधिक चौंकाने वाला हो जाता है कि प्रधानमंत्री ने 10 मई की शाम को अचानक ऑपरेशन सिंदूर क्यों रोक दिया। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री पर दबाव कहां से आया और उन्हें इतना जल्दी क्यों झुकना पड़ा? एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराने की पुष्टि की है। उन्होंने इसे भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बताया। उन्होंने बेंगलूरु में एयर चीफ मार्शल एल.एम. कात्रे स्मृति व्याख्यान के 16वें संस्करण के दौरान कहा, हमें उस एडब्ल्यूसी हैंगर में कम से कम एक एडब्ल्यूसी तथा कुछ एफ-16 विमानों के होने का संकेत मिला है, जिनका वहां रखरखाव किया जा रहा है। हमारे पास कम से कम पांच लड़ाकू विमानों के मारे जाने की पुष्ट जानकारी है और एक बड़ा विमान है, जो या तो विमान हो सकता है या एडब्ल्यूसी (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम), जिसे लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया।

आरएसएस ने पहले 'भारत छोड़ो' आंदोलन और फिर संविधान का विरोध किया: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने 'भारत छोड़ो' आंदोलन की वर्षगांठ पर शनिवार को दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने पहले 1942 में इस आंदोलन और फिर कुछ साल बाद संविधान का विरोध किया था। महात्मा गांधी ने 1942 में ब्रिटिश शासन को हटाने का आह्वान करते हुए आंदोलन शुरू किया था, जिसके परिणामस्वरूप औपनिवेशिक शासकों ने कांग्रेस के लगभग पूरे नेतृत्व को गिरफ्तार कर लिया था।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 8 अगस्त 1942 की रात, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने ऐतिहासिक 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया। इसके बाद महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत करते हुए अपना मशहूर 'करो या मरो' भाषण दिया। उन्होंने लिखा, 9 अगस्त, 1942 की सुबह ही कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। गांधी जी को पुणे के आगा खान पैलेस में 6 मई 1944 तक नजरबंद रखा गया। नेहरू, पटेल, आज़ाद, पंत और अन्य नेताओं को अहमदनगर किले की जेल में भेजा गया, जहां वे 28 मार्च 1945 तक कैद रहे।

रमेश के अनुसार, नेहरू के लिए यह उनकी नौवीं गिरफ्तारी थी। उन्होंने कहा, 1921 से 1945 के बीच नेहरू ने कुल मिलाकर नौ साल जेल में बिताए। अहमदनगर जेल में ही उन्होंने अपनी अमर कृति 'द डिस्कवरी ऑफ इंडिया' लिखी।

कांग्रेस नेता ने दावा किया, जब पूरा कांग्रेस नेतृत्व जेल में था और पूरा देश आंदोलन की लहर में था, तब आरएसएस ने सक्रिय रूप से 'भारत छोड़ो' आंदोलन का विरोध किया। सात साल बाद, इसी संगठन ने भारत के संविधान का भी विरोध किया।

सुविचार

**सही कार्य करो, भले ही
वह लोकप्रिय न हो;
समय तुम्हारा मूल्य समझाएगा।**

ट्वीट

जोधपुर में आरके दमानी राष्ट्रीय पुनरूत्थान एवं शिक्षा के अभिनव केन्द्र 'लालसागर परियोजना' के अन्तर्गत निर्माणाधीन आदर्श डिफेंस व स्पोर्ट्स अकादमी छात्रावास का कार्य पूर्णता की ओर है, जिसका आज सुबह अवलोकन किया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

गौ माता के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा की स्थिति ऐसी है कि हमारे द्वारा गौशालाओं को 9 माह अनुदान देने के फैसले की पालना तक नहीं कर पा रही है। इनकी लचर कार्यशैली के चलते प्रदेश की 2500 गौशालाओं का अनुदान महीनों से नहीं दिया जा रहा है।

-अशोक गहलोत

कहानी

सहेली की सीख

विमला भंडारी

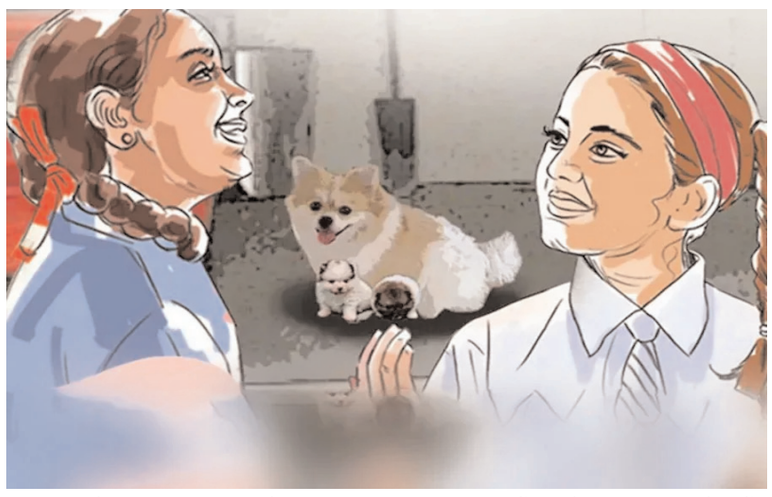

पल्लवी और प्रज्ञा की कुछ दिन पहले ही मित्रता हुई थी। एक दिन स्कूल से घर लौटते समय प्रज्ञा ने पल्लवी को अपने घर चलने के लिए कहा तो पल्लवी अपनी असमर्थता जताती हुई बोली, नहीं, आज नहीं। मैं फिर किसी दिन आऊंगी। आज क्यों नहीं? तुम्हें आज ही चलना होगा, प्रज्ञा जिद करती हुई आगे बोली, हमारे गराज में आज सुबह ही क्रोकोडायल ने 3 बच्चे दिए हैं। क्रोकोडायल प्रज्ञा की पालतू पामेरियन कुतिया का नाम था। 2 सुंदरसुंदर सफेद और एक काला चितकबरा है, प्रज्ञा हाथों को नचाते हुए पिल्लों की सुंदरता का वर्णन करने लगी। अच्छा, तब तो मैं उन्हें देखने कल जरूर आऊंगी। जरूर आओगी न? वादा रहा, कहती हुई पल्लवी अपने घर की ओर जाने वाली गली में मुड़ गई। दूसरे दिन शाम को पल्लवी प्रज्ञा के घर पहुंची। पल्लवी का हाथ पकड़ कर लगभग खींचते हुए प्रज्ञा उसे अपने गराज की ओर ले गई, देखो, हैं न सुंदरसुंदर पिल्ले? बताओ इन का क्या नाम रखें? अपनी सहेली की ओर देखती हुई प्रज्ञा ने अपनी गोलगोल आंखें मटकाते हुए पूछा।

आहा, इतने सुंदर पिल्ले? नाम भी इन के इतने ही सुंदर होने चाहिए, कुछ सोचती हुई पल्लवी काले चितकबरे पिल्ले की ओर इशारा करती हुई बोली, इस का नाम 'ब्राउनी' ठीक रहेगा। हां, बिलकुल ठीक। इन दोनों का नाम 'व्हाइटी' और 'ब्राउनी' रख लेते हैं। दोनों सहेलियां पिल्लों को प्यार करने में मग्न थीं। पल्लवी सफेद पिल्ले 'व्हाइटी' को गोद में उठा कर पुचकार रही थी कि व्हाइटी झट से अपनी मां की ओर कूद गया और चपरचपर अपनी मां का दूध पीने लगा। यह देख प्रज्ञा पिल्ले की पीठ सहलाती हुई कहने लगी, भूख लगी है तुझे व्हाइटी? ठीक है, जा दूध पी ले अपनी मां का। इतने में प्रज्ञा को मां ने आवाज दी पर प्रज्ञा ने सुन कर भी अनसुना कर दिया। यह देख पल्लवी बोली, प्रज्ञा, तुम्हें तुम्हारी मां पुकार रही हैं। पुकारने दो, मां की तो आदत है, लापरवाही से कंधे उचकाती हुई प्रज्ञा बोली और दोबारा पिल्लों से खेलने लगी। फिर मां की आवाज सुनाई दी तो पल्लवी बोली, प्रज्ञा, तुम्हारी मां नाराज हो जाएंगी।

होने दो, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मां तो हर बात पर नाराज होती हैं। प्रज्ञा की यह हरकत पल्लवी को बिलकुल अच्छी नहीं लगी। अच्छा, अब मैं चलती हूं, कहती हुई पल्लवी उठ खड़ी हुई। रुको न, हम थोड़ी देर और पिल्लों से खेलेंगे। नहींनहीं, मेरी मां मेरा इंतजार कर रही होंगी, कहती हुई पल्लवी फाटक खोल कर बाहर निकल गई। दूसरे दिन स्कूल में प्रज्ञा का पैन पल्लवी के पास रह गया था। घर आ कर प्रज्ञा जब स्कूल का काम करने लगी तो उसे पैन की याद आई। वह तुरंत पल्लवी के घर पहुंची। उस समय पल्लवी पलंग पर बैठी धुले हुए सूखे कपड़ों की तह बना कर समेट रही थी। आओ प्रज्ञा, प्रज्ञा को देख पल्लवी ने कहा और प्रज्ञा का परिचय अपनी मां से कराया। पल्लवी की मां खुश होते हुए बोलीं, बैठो बेटी, मैं अभी तुम्हारे लिए आइसक्रीम ले कर आती हूं। प्रज्ञा को आइसक्रीम बहुत पसंद थी। वह मन ही मन खुश होती हुई सोच रही थी कि पल्लवी की मां कितनी अच्छी हैं। वह पल्लवी की मां और अपनी मां की तुलना करने लगी, 'कभी कोई सहेली आ जाती है, तब भी मेरी मां खयाल नहीं करतीं और ऊपर से किसी न किसी काम के लिए पुकारती रहती हैं।' प्रज्ञा को पल्लवी के यहां बहुत अच्छा लगा। उस के बाद वह अकसर पल्लवी के यहां जाने लगी। वह देखती पल्लवी कभी रसोई में रखे गीले बरतनों को पोंछ कर रख रही है तो कभी फर्श पर पोंछा लगा रही है। उस के आते ही वह झट से उस के साथ खेलने लग जाती पर पल्लवी की मां कभी पल्लवी को बीच में नहीं पुकारतीं और ऊपर से वे हमेशा कुछ न कुछ खाने को भी देतीं।

एक दिन तो उस के आश्चर्य की हद हो गई। उस दिन टीवी पर एक बढ़िया फिल्म आ रही थी और पल्लवी मां के साथ आलू के चिप्स सुखाने में मग्न थी। उफ, कितना उबाऊ काम करती हो तुम? प्रज्ञा पल्लवी के कानों के पास मुंह ले जा कर फुसफुसाती हुई बोली, चलो, टीवी देखते हैं। नहीं, अभी बहुत चिप्स बाकी हैं, जाओ तुम देखो। चलो न, छोड़ो। यह काम तो मां कर ही लेंगी। मां अकेली क्याक्या करें? थक जाती हैं। फिर वे ये सब बनाती भी तो हमारे लिए ही हैं, पल्लवी चिप्स सुखाती हुई बोली। विवश हो कर प्रज्ञा भी पल्लवी के साथ चिप्स सुखाने लगी। दोनों के इकट्ठे काम करने से काम जल्दी खत्म हो गया। पल्लवी की मां दोनों को अंदर बैठक में बैठाती हुई बोलीं, क्या खाओगी बेटी? मां, बड़ी जोर से भूख लगी है, पल्लवी ने कहा तो उस की मां उस के सिर पर स्नेह से हाथ फेरते व पुचकारते हुए बोलीं, मैं अभी तुम्हारे लिए बिस्कुट व नमकीन लाती हूं।

प्रज्ञा को उदास देख पल्लवी ने पूछा, बुरा मान गई? नहीं, गरदन हिलाते हुए प्रज्ञा बोली, तुम्हारी मां बहुत अच्छी हैं। मां तो सब की अच्छी होती हैं। प्रज्ञा कुछ नहीं बोली। वह उदास सी चुपचाप बैठी रही। बिस्कुट खाते समय भी वह बहुत गंभीर रही। अपने घर लौटते समय वह मन ही मन सोच रही थी कि मेरी मां तो बहुत चिड़चिड़ी हैं। जराजरा सी बात पर डांटने लगती हैं और पल्लवी की मां उस का कितना खयाल रखती हैं। यह सोच कर प्रज्ञा बहुत दुखी हो गई। ऐसा लग रहा था जैसे अभी उस की रुलाई फूट पड़ेगी। घर पहुंचते ही प्रज्ञा से उस की मां ने कहा, देखो प्रज्ञा, कल स्कूल से आ कर तुम ने अपनी स्कूल ड्रैस भी धोने के लिए नहीं रखी। यहां तक कि तुम्हारा बस्ता भी अभी तक डाइनिंग टेबल की कुरसी पर पड़ा है। प्रज्ञा की मां प्रज्ञा से और भी बहुत कुछ कह रही थीं किंतु उसे कुछ सुनाई नहीं दे रहा था। वह चुपचाप बुझेबुझे कदमों से अपना बस्ता उठा कर अपने कमरे में चली गई। 'क्या खाओगी बेटी,' पल्लवी की मां की आवाज उस के कानों में बारबार गूंज रही थी। वह दुखी मन से वहीं पलंग पर भूखी ही लेट गई।

शाम को जब पल्लवी पिल्लों के साथ खेलने के लिए प्रज्ञा के घर पहुंची तो प्रज्ञा को उदास पाया। क्या बात है प्रज्ञा? आज तुम सुबह से ही उदास हो? प्रज्ञा कुछ नहीं बोली। बताओ न क्या बात हुई? क्या मुझ से नाराज हो? नहीं। सब की मांएं अपने बच्चों को प्यार करती हैं। एक मेरी मां हैं जो बस हर समय डांटती ही रहती हैं। प्रज्ञा के मुंह से यह बात सुन कर आश्चर्यचकित पल्लवी बोली, कैसी बातें करती हो प्रज्ञा? तुम्हारी मां तो इतनी बड़ी लेखिका हैं। तुम्हें तो अपनी मां पर गर्व होना चाहिए? होंगी बड़ी लेखिका, मुंह बिचकाती हुई प्रज्ञा बोली, बातबात पर डांटना, ऐसा क्यों कर दिया, वहां क्यों रख दिया, यह नहीं किया, वह नहीं किया कहतेकहते प्रज्ञा की बड़ीबड़ी आंखों से आंसू छलछला आए।

अपने नन्हेनन्हे हाथों से प्रज्ञा के आंसू पोंछती हुई पल्लवी बोली, एक बात कहूं प्रज्ञा, बुरा तो नहीं मानोगी? नहीं, गरदन हिलाती प्रज्ञा आंखें पोंछती हुई बोली, कहो, क्या कहना है तुम्हें? पल्लवी बोली, एक बात बताओ प्रज्ञा, तुम अपनी मां का कितना ध्यान रखती हो? मां कोई छोटी बच्ची हैं जो मैं उन का ध्यान रखूं? खीजती हुई प्रज्ञा बोली। मेरे कहने का मतलब है कि मां जब तुम्हें कुछ कहती हैं तो तुम अनसुना कर देती हो। मां के काम बताते ही तुम मना कर देती हो। यदि तुम छोटेमोटे कामों में मां का सहयोग कर दो तो उन का काम काफी हलका हो जाएगा। मुझे देखो, मैं मां के बिना बताए ही काम कर देती हूं। मेरे छोटेमोटे काम कर देने से मां को बहुत राहत मिलती है। जब मां अकेली सारे घर का काम देखेंगी व अस्तव्यस्त सामान देखेंगी तो उन्हें समेटतेसमेटते स्वाभाविक रूप से गुस्सा तो आ ही जाएगा। प्रज्ञा को मन ही मन अपनी गलती का एहसास हो रहा था। पल्लवी के जाने के बाद प्रज्ञा ने मन ही मन कुछ निश्चय किया।

सुबह प्रज्ञा मां के बिना उठाए ही उठ गई, यहां तक कि उस ने अपनी चादर भी समेट कर अलमारी में रख दी। प्रज्ञा को उठा देख कर मां ने दूध का गिलास मेज पर रख दिया था। हमेशा दूध के लिए नानुकुर करने वाली प्रज्ञा ने चुपचाप दूध पी लिया। खाली गिलास उठा कर रसोई में रखने चली गई व सिंक में रखे सभी प्यालेगिलासों को धोपोंछ कर ठीक से यथावत रख दिया। क्या खाओगी बेटी, आज क्या बनाऊं? प्रज्ञा की मां उस से पूछ रही थीं। प्रज्ञा ने कनखियों से मां का मुसकराता हुआ चेहरा देख लिया था। यह देख उसे बड़ी खुशी हुई। हमेशा शाम को स्कूल से लौट कर प्रज्ञा बस्ता पटक कर जूतेमोजे इधरउधर फेंक, बिना स्कूल ड्रैस बदले ही बाहर खेलने के लिए भाग जाती थी। मां आवाज देती रह जातीं किंतु वह सुनती कहां थी? उस दिन प्रज्ञा ने स्कूल से आ कर अपना सामान यथावत रखा। स्कूल की पोशाक बदली और हाथमुंह धो कर कमरे में झांक कर देखा तो पता चला कि मां कुछ लिखने में तल्लीन थीं। लिखते समय मां को तंग करने वाली प्रज्ञा उस दिन चुपचाप दबेपांव, रसोई की ओर मुड़ गई। देखा, सारी रसोई बिखरी पड़ी थी। 'दिन में शायद मां से मिलने कुछ मेहमान आए होंगे,' सोच कर प्रज्ञा ने सारा सामान समेट कर सफाई की व पूरी रसोई सुव्यवस्थित कर दी। बैठक से भी चायनाश्ते के बरतन उस ने बिना आवाज किए समेट दिए। यह सब करने के बाद वह खुद अपने हाथों से डब्बों में से केक व बिस्कुट निकाल कर प्लेट में रख कर चुपचाप खाने लगी। वहीं से वह मां को लिखते हुए देख रही थी। आज उसे पहली बार मां बहुत सुंदर लग रही थीं। पहली बार प्रज्ञा को यह सोच कर गर्व हो रहा था कि उस की मां बड़ी लेखिका हैं।

जब मां का लेखन कार्य पूरा हुआ तो वे कमरे से बाहर निकलीं। जब उन की नजरें पूरे घर में घूमीं तो उन्होंने खुशी के मारे प्रज्ञा को अपने सीने से लगा लिया, ओह, मेरी बेटी अब समझदार हो गई है। दूर बैठी क्रोकोडायल अपने पिल्लों को दूध पिला रही थी और बच्चे उस के ऊपर उछलकूद कर रहे थे। क्रोकोडायल पिल्लों को चाट रही थी। यह देख प्रज्ञा भी मां की बांहों में झूम उठी।

(साभार : सरिता)

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्...(4)

आदिगुरु शंकराचार्य महाराज के आत्मषटकम को निर्वाणषटकम क्यों कहा गया, इसकी प्रतीति चौथे श्लोक में होती है। यह श्लोक कहता है,

न पुण्यं न पापं न सौख्यं न दुःखं
न मंत्रो न तीर्थं न वेदा न यज्ञः।
अहम भोजनं नैव भोज्यम न भोक्ता
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम ।।

मैं न पुण्य से बँधा हूँ और न ही पाप से। मैं सुख और दुख से भी विलग हूँ, इन सबसे मुक्त हूँ। अर्थ स्पष्ट है कि आत्मस्वरूप सदकर्म या दुष्कर्म नहीं करता। इनसे उत्पन्न होनेवाले कर्मफल से भी कोई सम्बंध नहीं रखता।

मंत्रोच्चारण, तीर्थाटन, ज्ञानार्जन, यजन कर्म सभी को सामान्यतः आत्मस्वरूप का अधिष्ठान माना गया है। षटकम की अगली पंक्ति सीमाबद्ध को असीम करती है। यह असीम, सीमित शब्दों में कुछ यूँ अभिव्यक्त होता है, 'मैं न मंत्र हूँ, न तीर्थ, न ही ज्ञान या यज्ञ।' भावार्थ है कि आत्मस्वरूप का प्रवास कर्म और कर्मानुभूति से आगे हो चुका है।

मंत्र, तीर्थ, ज्ञान, यज्ञ, पाप, पुण्य, सुख, दुखादि कर्मों पर चिंतन करें तो पाएँगे कि वैदिक दर्शन हर कर्म के नाना प्रकारों का वर्णन करता है। तथापि तत्सम्बंधी विस्तार में जाना इस लघु आलेख में संभव नहीं।

आगे आदिगुरु का कथन विस्तार पाता है, 'मैं न भोजन हूँ, न भोग का आनंद, न ही भोक्ता।' अर्थात साधन, साध्य और सिद्धि से ऊँचे उठ जाना। विचार के पार, उर्ध्वाधार। कुछ न होना पर सब कुछ होना का साक्षात्कार है यह। एक अर्थ में देखें तो यही निर्वाण है, यही शून्य है।

वस्तुतः शून्य में गहन तृष्णा है, साथ ही गहरी तृप्ति है। शून्य परमानंद का आलाप है। इसे सुनने के लिए कानों को टचून करना होगा। अपने विराट शून्य को निहारने और उसकी विराटता में अंकुरित होती सृष्टि देख सकने की दृष्टि विकसित करनी होगी। शून्य के परमानंद को अनुभव करने के लिए शून्य में जाना होगा।... अपने शून्य का रसपान करें। शून्य में शून्य उँड़ेलें, शून्य से शून्य उलीचें। तत्पश्चात आकलन करें कि शून्य पाया या शून्य खोया?

शून्य अवगाहित करती सृष्टि,
शून्य उकेरने की टिटिहरी कृति,
शून्य के सम्मुख हाँफती सीमाएँ
अगाध शून्य की अशेष गाथाएँ,
साधो...!
अथाह की कुछ थाह मिली
या फिर शून्य ही हाथ लगा?

साधक एक बार शून्यावस्था में पहुँच जाए तो स्वतः कह उठता है, 'मैं सदा शुद्ध आनंदमय चेतन हूँ, मैं शिव हूँ, मैं शिव हूँ, शिवोऽहम..!'

बोध कथा

अकबर का साला

अकबर का साला हमेशा से ही बीरबल की जगह लेना चाहता था। अकबर जानते थे कि बीरबल की जगह ले सके ऐसा बुद्धिमान इस संसार में कोई नहीं है। फिर भी जोरू के भाई को वह सीधी 'ना' नहीं बोल सकते थे। ऐसा कर के वह अपनी लाडली बेगम की बेरुखी मोल नहीं लेना चाहते थे। इसीलिए उन्होने अपने साले साहब को एक कोयले से भरी बोरी दे दी और कहा कि– जाओ और इसे हमारे राज्य के सबसे मक्कार और लालची सेठ सेठ दमड़ीलाल को बेचकर दिखाओ , अगर तुम यह काम कर गए तो तुम्हें बीरबल की जगह वज़ीर बना दूंगा। अकबर की इस अजीब शर्त को सुन कर साला अचंभे में पड़ गया। वह कोयले की बोरी ले कर चला तो गया। पर उसे पता था कि वह सेठ किसी की बातो में नहीं आने वाला ऊपर से वह उल्टा उसे ही चूना लगा देगा। हुआ भी यही सेठ दमड़ीलाल ने कोयले की बोरी के बदले एक ढेला भी देने से इनकार कर दिया। साला अपना सा मुंह लेकर महल वापस लौट आया और अपनी हार स्वीकार कर ली. अब अकबर ने वही काम बीरबल को करने को कहा।

बीरबल कुछ सोचे और फिर बोले कि सेठ दमड़ीलाल जैसे मक्कार और लालची सेठ को यह कोयले की बोरी क्या मैं सिर्फ कोयले का एक टुकड़ा ही दस हज़ार रुपये में बेच आऊंगा। यह बोल कर वह तुरंत वहाँ से रवाना हो गए। सबसे पहले उसने एक दरज़ी के पास जा कर एक मखमली कुर्ता सिलवाया। हीरे–मोती वाली मालाएँ गले में डाली। महंगी जूती पहनी और कोयले को बारीक सुरमे जैसा पिसवा लिया। फिर उसने पिसे कोयले को एक सुरमे की छोटी चमकदार डिब्बी में भर लिया। इसके बाद बीरबल ने अपना भेष बदल लिया और एक मेहमानघर में रुक कर इश्तिहार दे दिया कि बगदाद से बड़े शेख आए हैं। जो करिश्माई सुरमा बेचते हैं। जिसे आँखों में लगाने से मरे हुए पूर्वज दिख जाते हैं और यदि उन्होंने कहीं कोई धन गाड़ा है तो उसका पता बताते हैं। यह बात शहर में आग की तरह फ़ैली।

सेठ दमड़ीलाल को भी ये बात पता चली। उसने सोचा ज़रूर उसके पूर्वजों ने कहीं न कहीं धन गाड़ा होगा। उसने तुरंत शेख बने बीरबल से सम्पर्क किया और सुरमे की डिब्बी खरीदने की पेशकश की। शेख ने डिब्बी के 20 हज़ार रुपये मांगे और मोल–भाव करते–करते 10 हज़ार में बात तय हुई। पर सेठ भी होशियार था, उसने कहा मैं अभी तुरंत ये सुरमा लगाऊंगा और अगर मुझे मेरे पूर्वज नहीं दिखे तो मैं पैसे वापस ले लूँगा। बीरबल बोला, बिलकुल आप ऐसा कर सकते हैं, चलिए शहर के चौराहे पर चलिए और वहां इसे जांच लीजिये। सुरमे का चमत्कार देखने के लिए भीड़ इकट्ठा हो गयी। तब बीरबल ने ऊँची आवाज़ में कहा, ये सेठ अभी ये चमत्कारी सुरमा लगायेंगे और अगर ये उन्ही की औलाद हैं जिन्हें ये अपना माँ–बाप समझते हैं तो इन्हें इनके पूर्वज दिखाई देंगे और गड़े धन के बारे में बताएँगे। लेकिन अगर आपके माँ–बाप में से किसी ने भी बेईमानी की होगी और आप उनकी असल औलाद नहीं होंगे तो आपको कुछ भी नहीं दिखेगा।

और ऐसा कहते ही बीरबल ने सेठ की आँखों में सुरमा लगा दिया। फिर क्या था, सिर खुजाते हुए सेठ ने आँखें खोली। अब दिखना तो कुछ था नहीं, पर सेठ करे भी तो क्या करे! अपनी इज़्ज़त बचाने के लिए सेठ ने दस हज़ार बीरबल के हाथ थमा दिये। और मुंह फुलाते हुए आगे बढ़ गए। बीरबल फ़ौरन अकबर के पास पहुंचे और रुपये थमाते हुए सारी कहानी सुना दी। अकबर का साला बिना कुछ कहे अपने घर लौट गया। और अकबर–बीरबल एक दूसरे को देख कर मंद–मंद मुसकाने लगे। इस किस्से के बाद फिर कभी अकबर के साले ने बीरबल का स्थान नहीं मांगा।

मूर्ख साधू और ठग

एक बार की बात है, किसी गाँव के मंदिर में देव शर्मा नाम का एक प्रतिष्ठित साधू रहता था। गांव में सभी लोग उनका सम्मान करते थे। उसे अपने भक्तों से दान में तरह– तरह के वस्त्र, उपहार, खाद्य सामग्री और पैसे मिलते थे। उन वस्त्रों को बेचकर साधू ने काफी धन जमा कर लिया था।

साधू कभी किसी पर विश्वास नहीं करता था और हमेशा अपने धन की सुरक्षा के लिए चिंतित रहता था। वह अपने धन को एक पोटली में रखता था और उसे हमेशा अपने साथ लेकर ही चलता था। उसी गाँव में एक ठग रहता था। बहुत दिनों से उसकी नजर साधू के धन पर थी। ठग हमेशा साधू का पीछा किया करता था, लेकिन साधू उस गठरी को कभी अपने से अलग नहीं होने देता।

आखिरकार, उस ठग ने एक छात्र का वेश धारण किया और उस साधू के पास गया। उसने साधू से मिन्नत की कि वह उसे अपना शिष्य बना ले क्योंकि वह ज्ञान प्राप्त करना चाहता था। साधू तैयार हो गया और इस तरह से वह ठग साधू के साथ ही मंदिर में रहने लगा।

ठग मंदिर की साफ सफाई से लेकर अन्य सभी कार्य भी करता था और ठग ने साधू की खूब सेवा की और जल्दी ही उसका विश्वासपात्र बन गया।

एक दिन साधू को पास के गांव में एक अनुष्ठान के लिए आमंत्रित किया गया, साधू ने वह आमंत्रण स्वीकार किया और निश्चित दिन साधू अपने शिष्य के साथ अनुष्ठान में भाग लेने के लिए निकल पड़ा।

रास्ते में एक नदी पड़ी और साधू ने स्नान करने की इच्छा व्यक्त की।

उसने पैसों की गठरी को एक कम्बल के भीतर रखा और उसे नदी के किनारे रख दिया। उसने ठग से सामान की रखवाली करने को कहा और खुद नहाने चला गया। ठग को तो कब से इसी पल का इंतज़ार था। जैसे ही साधू नदी में डुबकी लगाने गया, वह रुपयों की गठरी लेकर चम्पत हो गया।

वीर गाथा

एलओसी पर आतंक की आंधी में संजय ने दिखाया अद्भुत साहस

नायब सूबेदार संजय कुमार महार रेजिमेंट की 21वीं बटालियन के वीर योद्धा हैं, जिन्होंने देश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देने में अद्भुत साहस का प्रदर्शन किया है। माता नंदा देवी और पिता भामर सिंह के बेटे संजय ने खूंखार आतंकवादियों का संहार किया है। उन्हें पाकिस्तानी घुसपैठियों पर नजर रखते हुए उनके मंसूबों को नाकाम करने में महारत हासिल है। 12 जून, 2023 को सेना को अपने खुफिया सूत्रों से विश्वसनीय सूचना मिली थी। उसके आधार पर संजय और उनके साथी जवानों को आदेश मिला कि रणनीति बनाएं और आतंकवादियों का खात्मा करें। उन्होंने एलओसी पर लगातार नजर बनाए रखी। इस दौरान संजय अपने साथियों को प्रेरित करते रहे। 22 जून को एक बार फिर सूचना मिली कि आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। संजय ने उसके अनुसार रणनीति बनाते हुए अपने साथियों को जनरल एरिया काला जंगल पर पैनी नजर रखने के लिए कहा। 23 जून को आतंकवादी नजर आए और जब वे फायरिंग रेंज के भीतर आ गए तो एक समस्या पैदा हो गई। वहां की भौगोलिक स्थिति ऐसी थी कि आतंकवादी कहीं भी छिप सकते थे। संजय ने फैसला किया कि वे आगे बढ़कर आतंकवादियों पर सबसे पहले प्रहार करेंगे, उसके बाद अपने जवानों को उचित कार्रवाई करने के लिए कहेंगे। उन्होंने आगे बढ़कर एक आतंकवादी को निशाने पर लिया और इस बात का इंतजार करते रहे कि उसे अच्छी तरह से जाल में फंसा लिया जाए।

जैसे ही आतंकवादी 'सही जगह' पहुंचा, संजय ने गोली चलाई और उसे धराशायी कर दिया। बाद में पता चला कि वह एक खतरनाक आतंकवादी था, जिसे हमारी खुफिया एजेंसियां तलाश कर रही थीं। उसका खात्मा आतंकवादी संगठनों के लिए बहुत बड़ा झटका था। नायब सूबेदार संजय कुमार ने बारूदी सुरंगों और भारी गोलीबारी के बीच जिस तरह अपना सैन्य कर्तव्य निभाया, वह प्रशंसनीय है। देशवासियों को अपने वीर सैनिकों पर गर्व है। संजय कुमार को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रैली

सूरत में शनिवार को विश्व के आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक रैली में लोग भाग लेते हुए

शंकर-एहसान-लॉय और सोनू निगम को राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान से नवाजा जाएगा

भोपाल/भाषा। प्रसिद्ध संगीतकार शंकर-एहसान-लॉय को संगीत निर्देशन और गायक सोनू निगम को पार्श्व गायन के लिए क्रमशः 2024 और 2025 के राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान से नवाजा जाएगा। मध्यप्रदेश के संस्कृति विभाग ने यह घोषणा की।

इसके साथ ही जाने-माने गीतकार प्रसून जोशी एवं फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली को राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान से नवाजे जाने की घोषणा की गई।संस्कृति विभाग के संचालक एन पी नामदेव ने एक बयान में कहा, 2024 का राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान संगीत निर्देशन के लिए शंकर-एहसान-लॉय को और वर्ष 2025 का पार्श्व गायन के लिए सोनू निगम को प्रदान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान समारोह 28 सितंबर को इंदौर में आयोजित किया जाएगा। भारत रत्न से सम्मानित लता मंगेशकर का जन्म 1929 को इंदौर में हुआ था। मध्यप्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा प्रति वर्ष लता मंगेशकर की जयंती पर यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1984 में हुई थी।

नामदेव ने बताया कि वर्ष 2024 का राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान गीत लेखन के लिए प्रसून जोशी एवं वर्ष 2025 का सम्मान निर्देशन के लिए संजय लीला भंसाली को प्रदान किया जायेगा।

इसके लिए सम्मान समारोह का आयोजन 13 अक्टूबर 2025 को खंडवा में किया जाएगा। यह सम्मान किशोर कुमार की स्मृति में आरंभ किया गया था। खंडवा किशोर कुमार की जन्मभूमि है।

नामदेव ने बताया कि इसी तरह वर्ष 2024 का राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान आनंदधाम भोपाल और 2025 का सम्मान पुनरुत्थान समरसता गुरुकुलम पुणे को प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2024 का राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान जबलपुर के प्रशांत पोल और 2025 का सम्मान भोपाल के लोकेन्द्र सिंह राजपूत को प्रदान किया जाएगा।

यह सम्मान प्रतिवर्ष हिंदी सॉफ्टवेयर सर्च इंजन, वेब डिजाइनिंग, डिजिटल भाषा प्रयोगशाला, प्रोग्रामिंग, सोशल मीडिया, डिजिटल ऑडियो विजुअल एडिटिंग' आदि में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।

इसी तरह 2024 का राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान ऑस्ट्रेलिया की रीता कौशल और 2025 का सम्मान इंग्लैंड की डॉ वंदना मुकेश को प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान प्रतिवर्ष अप्रवासी भारतीय के विदेश में हिंदी के विकास में किए गए अमूल्य योगदान के लिए दिया जाता है। वर्ष 2024 का राष्ट्रीय फादर कामिल बुल्के सम्मान रूस के डॉ. इंदिरा गाजिएवा तथा 2025 का सम्मान श्रीलंका के पद्मा जोसेफिन वीरसिंघे को दिया जाएगा। यह सम्मान प्रतिवर्ष विदेशी मूल के उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने हिंदी भाषा एवं उसकी बोलियों के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। नामदेव ने बताया कि 2024 का राष्ट्रीय गुणाकर मुले सम्मान शहडोल के डॉ. राधेश्याम नापित और 2025 का यह सम्मान भोपाल के सदानंद दामोदर सप्रे को प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान प्रतिवर्ष हिंदी में वैज्ञानिक, तकनीकी लेखन एवं पाठ्य पुस्तकों के लिए लेखन क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को दिया जाता है। उन्होंने बताया कि 2024 का राष्ट्रीय हिंदी सेवा सम्मान तिरुवनंतपुरम के डॉ. के सी अजय कुमार को एवं 2025 का दिल्ली के डॉ. विनोद बब्बर को प्रदान किया जाएगा।

राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान दो अक्टूबर को भोपाल में तथा राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान, राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान, राष्ट्रीय फादर कामिल बुल्के सम्मान, राष्ट्रीय गुणाकर मुले सम्मान एवं राष्ट्रीय हिंदी सेवा सम्मान हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर 2025 को भोपाल में आयोजित समारोह में प्रदान किए जाएंगे।

1962 का युद्ध गुटनिरपेक्ष नीति की नहीं, बल्कि चीन नीति की विफलता थी

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राजनयिक शिवशंकर मेनन के अनुसार, चीन के साथ 1962 का युद्ध गुटनिरपेक्ष नीति की विफलता नहीं थी, बल्कि चीन नीति की विफलता थी और इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत को दुनिया भर से भिन्न विचारधारा वाले देशों से कितना समर्थन मिला। उन्होंने शुक्रवार शाम स्वप्ना कोना नायडू की किताब द नेहरू ईयर: एन इंटरनेशनल हिस्ट्री ऑफ नॉन-अलाइनमेंट के विमोचन के अवसर पर यह बात कही।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) की शुरुआत औपनिवेशिक व्यवस्था के पतन और अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और दुनिया के अन्य क्षेत्रों के लोगों के स्वतंत्रता संघर्षों तथा शीत युद्ध के चरम के दौरान हुई थी। मेनन ने कहा कि भारत को अमेरिका समेत कई देशों से समर्थन मिला। उन्होंने कहा, 1962 में, देखिए हमें दुनिया भर से कितना समर्थन मिला। और इसने तीसरी दुनिया में चीन की प्रतिष्ठा को जो नुकसान पहुंचाया, वह काफी विनाशकारी था। इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह गुटनिरपेक्ष नीति की विफलता थी, बल्कि यह चीन नीति की विफलता थी। मेनन ने कहा, लोग अपने हितों के आधार पर निर्णय लेते हैं। भारत को दुनिया भर से समर्थन मिला। इसमें से कुछ समर्थन वैचारिक था, जैसे अमेरिका वगैरह से। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन आपको दुनिया भर के कई देशों से समर्थन मिला। चीन में भारत के पूर्व राजदूत ने कहा कि किसी नीति की सफलता या असफलता का आकलन परिणाम से किया जाना चाहिए, न कि इस आधार पर कि दूसरे लोग उसके बारे में क्या कहते हैं।

काकोरी ट्रेन एक्शनः नकदी से भरा बक्सा लूटने के बाद जब क्रांतिकारियों के सामने खड़ी हो गई थी मुसीबत

लखनऊ/भाषा। नौ अगस्त, 1925 की शाम थी। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम के लिए धन जुटाने के मकसद से युवा क्रांतिकारियों के एक समूह ने लखनऊ के निकट काकोरी में एक ट्रेन से सरकारी खजाना लूटने की साहसिक योजना बनाई।

उन्हें इस योजना को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हालांकि काकोरी ट्रेन एक्शन के बारे में कुछ ऐसी चीजें भी रहीं, जिनके बारे में बहुत कम जानकारी सामने आई है। इस साल इस घटना की 100वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण घटना थी। इस अवसर पर उन क्रांतिकारियों के परिजनों ने 'पीटीआई-भाषा' को काकोरी ट्रेन एक्शन के बारे में कुछ रोचक जानकारी दी। स्वतंत्रता सेनानी अशफाक उल्लाह खान के परपोते अशफाक उल्लाह खान ने ऐसे ही एक दिलचस्प वाकये के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब क्रांतिकारियों को लगा कि ट्रेन डकैती को पूरी तरह से अंजाम दे दिया गया है, तो उन्हें एक अप्रत्याशित समस्या का सामना करना पड़ा। अशफाक ने कहा कि वह समस्या यह थी कि 4,600 रुपए रखे जिस संदूक को उन्होंने लूटा था वह उनकी कल्पना से कहीं अधिक मजबूत था, जिससे अशफाकउल्ला खान समेत योजना में शामिल लोगों की जान जोखिम में पड़ गई। उन्होंने कहा, इसके बाद मेरे परदादा (अशफाक उल्लाह खान) ने एक हथौड़ा उठाया और दो जोरदार वार से संदूक को चीर दिया।

अशफाक ने मुस्कुराते हुए बताया कि ताला तोड़ने के बाद अशफाक उल्लाह खान ने हल्के-फुल्के अंदाज में अपने साथी शाकाहारी क्रांतिकारियों से कहा कि यह ताला तोड़ना पूरी सब्जी खाने वालों के लिए संभव नहीं था।अशफाकउल्ला खान रामप्रसाद बिस्मिल और दूसरे क्रांतिकारियों के साथ काकोरी ट्रेन एक्शन में प्रमुख रूप से शामिल थे।

अशफाक (59) ने कहा, मैंने भी उन लोहे के संदूकों को पहली बार तब देखा था जब मैं मात्र 15 वर्ष का था। आज 4,600 रुपए की राशि का कोई खास मूल्य नहीं है, लेकिन उस समय यह राशि बहुत बड़ी थी। 'टैक्स लॉयर्स एसोसिएशन' के उपाध्यक्ष आशीष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि आज के हिसाब से यह धनराशि लगभग 11 लाख रुपए के बराबर हो सकती है।

दिलचस्प बात यह है कि लूट की योजना नौ अगस्त के लिए नहीं बनाई गई थी। काकोरी ट्रेन एक्शन में भाग लेने वाले रामकृष्ण खत्री के वंशज रोहित खत्री ने कहा कि शुरू में डकैती की योजना आठ अगस्त के लिए बनाई गई थी, लेकिन बाद में इसे अगले दिन के लिए टाल दिया गया।

'निशानची' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फिल्मकार अनुराग कश्यप की अपकमिंग थ्रिएट्रिकल फिल्म 'निशानची' का आधिकारिक टीजर रिलीज कर दिया गया है। इसमें भावनाओं और ड्रामा का पूरा तड़का है। इसके टीजर में है भरपूर मसाला, इमोशंस, ड्रामा और ढेर सारा स्वैग। अनुराग कश्यप के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म एक दमदार देसी एंटरटेनर लग रही है जिसमें है एक तगड़ा तड़का है एक्शन और ह्यूमर का।

इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, तैयारी कर दी है, इमोशन का तड़का, एक्शन का धमाका और गुलेल, कट्टा, गाड़ी-घोड़ा तो है ही। टीजर आउट! 19 सितंबर को होगी रिलीज। टीजर की शुरुआत होती है एक दमदार लाइन से, बिना बॉलीवुड, काउनों जिंदगी कैसे जिए? इसके बाद दिखाई देते हैं फिल्म के कैरेक्टर्स बबलू (ऐश्वर्य ठाकरे), जो एक रंग-बिरंगे लोकल हीरो हैं, और उनके साथ दिखती हैं रिंकू (वेदिका पिंटो), जो हर कदम पर बबलू को टक्कर देती हैं। इसमें बबलू की अम्मा (मोनिका पंवार) और उनका आज्ञाकारी बेटा डबलू हैं, और अंबिका चाचा (कुमुद मिश्रा) भी हैं।

निशानची के टीजर में आपको देसी अंदाज में तगड़ा एंटरटेनमेंट मिलेगा, वही अनुराग कश्यप के स्टाइल वाला! निशानची को अजय राय और रंजन सिंह ने जार पिक्चर्स के बैनर तले, फ्लिप फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने लिखी है।

यह फिल्म 19 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म दो भाइयों की उलझी हुई जिंदगी को दिखाएगी, जिनके रास्ते अलग हैं लेकिन एक फैसला उनकी तकदीर तय कर देता है। टीजर से पहले ही गुरुवार (7 अगस्त) को फिल्म का पोस्टर जारी किया गया था। इसमें पूरी स्टारकास्ट की झलक थी। अनुराग कश्यप ने एक इंटरव्यू में कहा था, हमने 2016 में 'निशानची' लिखी थी। तब से, मैं इस फिल्म को उस तरह बनाने की कोशिश कर रहा था जैसा इसे बनाना चाहिए। मैं एक ऐसे स्टूडियो की तलाश में था जो मुझ पर पूरे दिल से भरोसा करे। अमेजन एमजीएम को यह पसंद आई, उन्होंने इसमें विश्वास किया और हमारे पीछे दीवार बनकर खड़े रहे। मेरी सभी फिल्मों के साथ भी यही हुआ जिन्हें लोग पसंद करते हैं; उन्हें बेहतरीन निर्माताओं और बेहतरीन स्टूडियो का साथ मिला था। 'निशानची' एक ऐसी कहानी है जो मानवीय भावनाओं, प्रेम, वासना, शक्ति, अपराध और सजा, विश्वासघात, मुक्ति और इन सबके परिणामों से भरी है।

बारिश वाले गानों का हमारी फिल्मों में हमेशा एक खास मुकाम रहा है : जाह्नवी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में बारिश सिर्फ मौसम नहीं, एक एहसास रही है कभी मोहब्बत का जरिया, कभी यादों का पुल, तो कभी दिल को छू जाने वाला सिनेमा। ब्लैक एंड व्हाइट दौर की रोमांटिक क्लासिक्स से लेकर आज के हाई-डेफिनिशन विज़ुअल्स तक, बारिश ने हर दौर की कहानियों में एक खास जगह बनाई है।

जान्हवी कपूर के लिए उनकी आने वाली फिल्म परम सुंदरी का नया गाना 'भीगी साड़ी' उस सपने जैसा है जिसे हर बॉलीवुड दीवाना जीना चाहता है। उन्होंने कहा: बारिश वाले गानों का हमारी फिल्मों में हमेशा एक खास मुकाम रहा है। इनमें एक जादू है, जो कभी पुराना नहीं होता। मैंने बचपन से ऐसी कई

आइकॉनिक सीन देखे हैं जो बारिश में फिल्माए गए, और अब 'भीगी साड़ी' के ज़रिए उस विरासत का हिस्सा बनना किसी सपने जैसा है।

जब हमने यह गाना शूट किया, तो ऐसा लगा जैसे किसी पुराने बॉलीवुड ख्वाब में जी रही हूं बारिश में नाचना, हर बीट को महसूस करना, हर इमोशन को जीना वो एक जादुई अनुभव था। 'भीगी साड़ी' में दिल को छू लेने वाली धुन, खूबसूरत लोकेशंस और जान्हवी की दिलकश अदाओं का संगम है।

साड़ी में उनकी रोमांटिक मौजूदगी पुराने दौर की याद दिलाती है लेकिन एक नए, मॉडर्न अंदाज़ के साथ। परम सुंदरी जहाँ ग्लैमर, जज़्बात और दिल से जुड़ी कहानियों का वादा कर रही है, वहीं 'भीगी साड़ी' पहले से ही फैंस के दिलों को भिगो रही है बॉलीवुड के आइकॉनिक रेन सॉन्ग्स की लिस्ट में अपनी जगह पक्की करती हुई। अगर आप चाहें, मैं इसके लिए एक इंस्टाग्राम कैप्शन या मीडिया हेडलाइन भी बना सकती हूँ!

अभिषेक

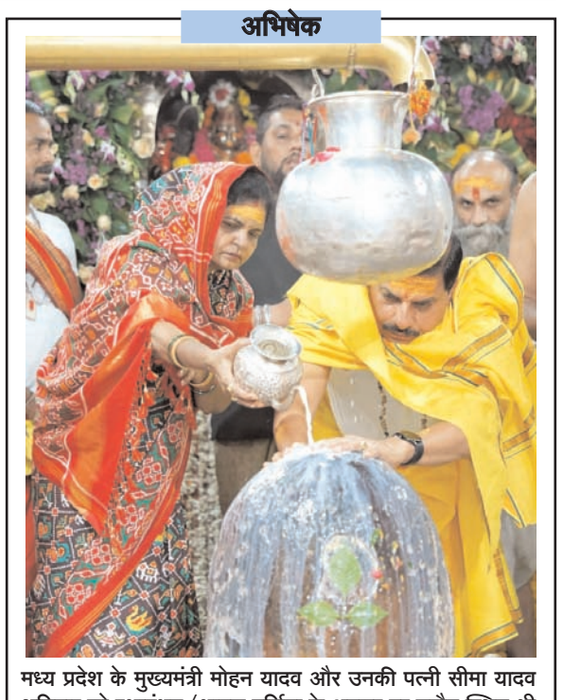

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनकी पत्नी सीमा यादव शनिवार को रक्षाबंधन/श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में भगवान महाकालेश्वर का दूध से अभिषेक करते हुए।

'जिस्म' से लेकर भू-राजनीति तक: जॉन अब्राहम सिनेमाई विरासत बनाने में जुटे

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम का कहना है कि जब उन्होंने सिनेमा जगत में कदम रखा था, तो 'जिस्म' और 'दोस्ताना' जैसी फिल्मों के जरिए उनका पूरा ध्यान ''शरीर'' पर था, लेकिन दो दशक बाद भू-राजनीतिक मुद्दों में रुचि के चलते उन्हें ऐसा लगता है कि उन्हें एक बिलकुल अलग दुनिया मिल गई है।

अभिनेता-फिल्म निर्माता खबरों से रूबरू रहने में घंटों बिताते हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनकी 'फिल्मोग्राफी' में नाटकीय बदलाव आया है। इसलिए अब इस सूची में ऐसी फिल्म शामिल हैं, जो व्यावसायिक मुद्दों और उनके भारत पर पड़ने वाले प्रभावों पर आधारित कहानियों के साथ-साथ व्यावसायिकता से भी मेल खाती हैं, चाहे वह 'मद्रास कैफे' हो, परमाणु, द डिप्लोमैट' हो या उनकी आने वाली फिल्म 'तेहरान'।

अब्राहम ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, अब यह महत्वपूर्ण है कि मैं जिस तरह की फिल्म कर रहा हूं, उनके इर्द-गिर्द एक विरासत का निर्माण करूं और उनके लिए जाना जाऊं... पहले, मुझे समझ नहीं आता था कि दर्शक मेरे बारे में क्या सोचते हैं, क्योंकि हम ज्यादातर समय अलग-थलग रहते हैं। लेकिन जब मैं यात्रा करता हूं और लोगों से मिलता हूं, तो वे कहते हैं, ओह, जॉन हमें 'द डिप्लोमैट' पसंद है। ओह, हमें 'मद्रास कैफे' पसंद है। तब आपको एहसास होता है कि आपने धीरे-धीरे अपने लिए एक कहानी बनानी शुरू कर दी है।

बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप, टैरिफ, फलस्तीन, इजराइल और रूस-यूक्रेन के बारे में चर्चा हुई।

वह चाहते हैं कि उनके दर्शक उन्हें समझदार सिनेमा से जोड़ें, उसी सिनेमा से जिसने उन्हें फिल्मों में आने के लिए प्रेरित किया। उन्हें वह पल याद है, जब उन्होंने स्टीवन स्पीलबर्ग की 1993 की होलोकॉस्ट ड्रामा 'शिंडलर्स लिस्ट' देखी थी। उन्होंने कहा, मैं झूठ नहीं बोल रहा हूं, मैं कई दिन तक प्रभावित रहा... चूंकि इसका मुझ पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ा, इसलिए मैंने निर्णय लिया कि जब मैं निर्माता बनूंगा या फिल्मों में काम करूंगा तो मैं इसी प्रकार की फिल्म करना चाहूंगा।

अब्राहम ने अपनी 2003 की पहली फिल्म का जिक्र करते हुए मजाकिया लहजे

में कहा कि हालांकि जब उन्होंने 'शोबिज' में प्रवेश किया, तो सब कुछ 'जिस्म' के बारे में था। उन्होंने कहा, (उस समय) सबकुछ शरीर के बारे में था। और मैं इससे पीछे नहीं हटा। एक विशाल दर्शक वर्ग है, जो इसकी सराहना करता है। और मुझे यह पसंद है। लेकिन मेरे लिए अपनी बात कहना भी बहुत जरूरी था। इसलिए 'काबुल एक्सप्रेस, न्यूयॉर्क, मद्रास कैफे' और 'द डिप्लोमैट' जैसी प्रासंगिक फिल्म आने लगीं। लेकिन एक बार जब मैं निर्माता बन गया, तो मैं पूरी तरह से इसमें जुट गया।

अब्राहम के प्रोडक्शन हाउस जेए एंटरटेनमेंट ने 2012 में 'विक्की डोनर' से शुरुआत की, जिसके लिए इसे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। इसके बाद 'मद्रास कैफे, बटला हाउस' और 'अटैक' जैसी कई फिल्में आईं, जिनमें से कई में उन्होंने अभिनय भी किया।

अपनी फिल्मों के जरिए, वह अपने दर्शकों को यह दिखाना चाहते हैं कि ''भारत बाकी दुनिया के साथ किस तरह जुड़ा हुआ है। और यह बात उनके बचपन से ही शुरू होती है, जब उनके पिता उन्हें हर सुबह अखबारों के संपादकीय पढ़ने को कहते थे। उन्होंने कहा, आज भी, मैं गैर शूटिंग वाले दिन सुबह सात बजे अपने दफ़्तर पहुँच जाता हूँ और पहले दो घंटों में मैं सिर्फ़ दुनिया में क्या हो रहा है, इस पर नज़र रखता हूँ। अगर आप मुझसे 'तेहरान' के बारे में पूछें और कहें कि आपने यह फ़िल्म क्यों की, तो मैं आपको ईरान-इज़राइल संघर्ष के बारे में बता सकता हूँ।

मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित 'तेहरान' 14 अगस्त से ज़ी5 पर प्रसारित होगी। यह एक सच्ची घटना का काल्पनिक वृत्तांत है, जो इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच सामने आता है। यह 2012 में नई दिल्ली स्थित इज़राइली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है।

'सलाकार' में मौनी रॉय ने दर्शकों को चौंकाया

मुंबई/एजेन्सी

जब फारूक कबीर की सीरीज़ 'सलाकार' की घोषणा हुई, तो दर्शकों को एक पारंपरिक जासूसी थ्रिलर की उम्मीद थी जिसमें नेविन कस्तूरिया जैसे भरोसेमंद अभिनेता मुख्य भूमिका में होंगे। लेकिन उन्होंने यह नहीं सोचा था कि मौनी रॉय इस सीरीज़ के गुप्त हथियार के रूप में उभरेंगी, एक ऐसी प्रभावशाली और गहराई से भरी परफॉर्मेंस के साथ, जो उन्हें सिर्फ एक जाना-पहचाना चेहरा नहीं, बल्कि एक दमदार कलाकार के रूप में स्थापित कर देती है। सीरीज में मौनी रॉय मरियम उर्फ शृष्टि के रूप में नजर आती हैं। जो पाकिस्तान की खतरनाक इलाके में काम कर रही एक अंडरकवर रॉ एजेंट हैं। उनका किरदार सिर्फ जासूसी के बाहरी ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उस मानसिक और भावनात्मक कीमत को भी सामने लाता है जो एक दोहरी ज़िंदगी जीने में एक एजेंट को चुकानी पड़ती है। मौनी इस जटिलता को बेहद सच्चाई और बारीकी से पर्दे पर उतारती हैं। उनके अभिनय की खूबसूरती उनके संतुलित और संयमित प्रदर्शन में है।

शृष्टि चतुर्वेदी उर्फ मरियम के रूप में मौनी रॉय की आँखों में झलकती 'ज्वलनशील चिंता' उनके चेहरे का स्थायी भाव बन जाती है।

यह कोई पारंपरिक बॉलीवुड जासूस नहीं है, जो केवल धमाकेदार एक्शन या ड्रामाई खुलासों पर निर्भर करता है। मरियम एक ऐसा किरदार है जो अपनी बुद्धिमत्ता और भावनात्मक गहराई के कारण खतरनाक लगती है एक साथ नाज़ुक भी और जानलेवा भी।

निजी इच्छाओं और देशभक्ति के बीच फंसी मरियम जिस तरह अपनी पाकिस्तानी पहचान को निभाते हुए अपने भारतीय मूल स्वभाव को संजोए रखती है, वह एक दिलचस्प द्वंद्व रचता है, जो कहानी को भावनात्मक बल देता है। इस परफॉर्मेंस को खास बनाती है मौनी की वह क्षमता, जिससे वह मरियम को जासूसी की सीमाओं के बावजूद एक यादगार और गहराई भरा किरदार बना देती हैं। मौनी ने खुद कहा कि मरियम सिर्फ साहसी नहीं, बल्कि जटिल, उलझी हुई और बेहद मजबूत किरदार है।

सीरीज़ के अंतिम एपिसोड के बाद भी, जो चीज़ दर्शकों के मन में रह जाती है, वह है मौनी रॉय की 'मरियम' सिर्फ एक जासूस नहीं, बल्कि एक ऐसी इंसान जो नामुमकिन हालातों में भी अपने वजूद को संभाले रहती है। यह भूमिका न सिर्फ़ अभिनेत्री के अब तक के सबसे बेहतरीन कामों में से एक है, बल्कि यह एक ऐसा ट्रांसफॉर्मेटिव रोल है। जो एक अभिनेता के करियर की दिशा को नई परिभाषा देती है और साबित करती है कि असली स्टार पावर स्क्रीन पर समय बिताने से नहीं, बल्कि उनके द्वारा छोड़ी गई छाप से जुड़ी होती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | रविवार | 10-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हृदय को कोमल और मन को सरल बनाए बगैर महानता के पथ पर एक कदम भी नहीं बढाया जा सकता है। जहाँ अपने स्वार्थ को गौण करने की तैयारी हो, अपनी इच्छाओं का बलिदान करने की हिम्मत हो और विषम हालातों में भी मन की समाधि को खंडित नहीं होने देने का लक्ष्य हो वहीं पर महानता का अवतरण होता है।

निस्वार्थ भाव से रक्षा का संकल्प लेना ही सच्चा रक्षाबंधन : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट स्थित जैन स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि पर्व आध्यात्मिक संस्कृति का प्राण है, उसके के माध्यम से अतीत का ज्ञान होता है, कर्तव्य का बोध होता है, आने वाली पीढ़ी में संस्कारों का बीजारोपण करता है। पर्व को विलासिता मनोरंजन और औपचारिकता से मानना, मूल स्वरूप को नष्ट करने का पाप कमाने के समान है।

उन्होंने कहा कि पर्व गरीब, अमीर राजा रंक, ऊंच नीच ,जाति प्रांत, से ऊपर उठकर संपूर्ण मानव समाज को भावनात्मक एकता के सूत्र में पिरोते हुए सद्भाव मानव मानव के बीच समरसता की स्थापना करता है। जो काम सरकार और कानून नहीं कर सकता है। मुनि कमलेशजी ने बताया कि रक्षाबंधन मात्र दो कच्चे धागों का त्यौहार नहीं है, अपने प्राणों को खतरे में डालकर ढाल बनाकर निस्वार्थ भाव से रक्षा का संकल्प लेना ही सच्चा रक्षाबंधन पर्व मनाना सार्थक है। इसके पीछे सेना से भी बड़ी शक्ति छिपी हुई है। इतिहास साक्षी है हुमायूं कर्मवती रानी की रक्षा के लिए धागे को देखकर लेकर सुरक्षा हेतु सेना लेकर चल पड़ा। सिर्फ भाई-बहन तक ही यह त्यौहार सीमित नहीं रहना चाहिए, पर्यावरण संस्कृति धर्म और देश की रक्षा कभी संकल्प लेना चाहिए।

राष्ट्रसंत ने कहा कि पर्व को सादगी से मनाते हुए उसका आधा पैसा भी प्राणी मात्र के सेवा में समर्पित कर दे तो देश में राम राज्य की कल्पना साकार हो जाएगी।

जैन संत ने कहा कि दिखावा आडंबर प्रदर्शन पर्व के मूल स्वरूप को खोता जा रहा है श्रविश्व की संपूर्ण संपत्ति दान देकर भी इतिहास के उज्ज्वल प्रश्नों का निर्माण नहीं किया जा सकताश्र उसकी सुरक्षा करना ही धर्म परमात्मा और गुरु की रक्षा करने के समान है।

अंत ने कहा कि पर्व को भी भेदभाव से मनाना ,अपने और पराए की दीवारें खड़ी करना, सोसाइटी मेंटेनेंस के नाम पर किसी को अछूत मानना ,साक्षात परमात्मा को नीचा दिखाने के समान है। सक्षममुनिजी, घनश्याम मुनि जी ने विचार व्यक्त किए। संचालन महामंत्री डॉक्टर संजय पिंचा ने किया।

भाई-बहन के सच्चे प्यार का प्रतीक है राखी का पर्व : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. समकित मुनिजी ने प्रवचन में कहा कि हर त्योहार के पीछे कोई न कोई घटना होती है, और कुछ घटनाएँ समय के साथ त्योहार का रूप ले लेती हैं। रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट स्नेह और प्रेम का पर्व है, जो आपसी अपनापन, मस्ती और नोक-झोंक से भरा होता है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले घरों में पीतल के बर्तन हुआ करते थे, जो कितने भी इस्तेमाल हो जाएं, टूटते नहीं थे। लेकिन आजकल काँच के बर्तन हैं, जो हल्के से हाथ से छूटते ही टूट जाते हैं। ठीक उसी तरह पहले रिश्ते भी पीतल की तरह मजबूत थे, पर आजकल काँच की तरह नाजुक हो गए हैं-जरा सी बात पर टूट जाते हैं। रिश्तों को जंग न लगने दें, उन्हें

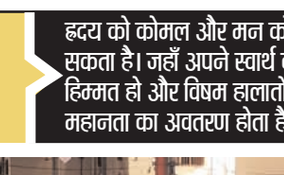

संभालकर रखें, यही भारतीय संस्कृति की खूबसूरती है और इन्हीं रिश्तों को जीवित रखने के लिए ऐसे पर्व बनाए गए हैं।

मुनिजी ने कहा कि आजकल त्योहार घर के भीतर के बजाय रिसॉर्ट या औपचारिक आयोजनों तक सीमित हो गए हैं, जबकि पहले ये पूरे भाव और सच्चे मन से मनाए जाते थे। उन्होंने एक कहानी के माध्यम से समझाया कि कैसे बड़ों के झगड़ों की वजह से बच्चे भी अपने कजिन भाई-बहनों से दूर हो जाते हैं और रक्षाबंधन का आनंद नहीं ले पाते। उन्होंने आग्रह किया कि यदि किसी कारणवश भाई-बहन से बातचीत बंद हो गई हो, तो कम से कम रक्षाबंधन के दिन कटुता भूलकर एक-दूसरे को माफ कर देना चाहिए। कार्यक्रम में भक्ति संध्या का भी आयोजन हुआ, जिसमें राजस्थान के सुप्रसिद्ध गायक अरिहंत कांकारिया ने भजनों की प्रस्तुति दी। राखी कार्यक्रम में जज की भूमिका दीपचंद लूनिया, अजीत गोठी, दिलीप मरलेचा, रेखा तालेड़ा और सिमी मेहता ने निभाई। इस अवसर पर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, कार्याध्यक्ष मीठालाल पगारिया, प्रवीण बोकाड़िया, गौतम दुगड़ आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन मंत्री विनयचन्द पावेचा ने किया।

भाई बहन के रिश्ते को पवित्र बनाए रखता है रक्षाबंधन : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में चातुमासार्थ विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी की निश्रा में मरुधर केसरी मिश्रीमलजी व लोकमान्य संत रुपचंदजी की जयंती गुणानुवाद सभा के रूप में मनाई गई। जन्मकल्याणक, तीर्थकरों, परमात्मा के कल्याणक मनाया जाते हैं। जयंती अर्थात जितने भी महापुरुष हैं जिन्होंने इस

जिनशासन के लिए बहुत कुछ करके चले गए, जिनका जीवन जयवंत हैं। जिनका जीवन बोलता है उन महान पुरुषों की जन्म जयंती मनाई जाती है। जन्म दिन अर्थात साधारण लोगों का जन्म दिन मनाया जाता है। मरुधर केसरी मिश्रीमलजी व लोकमान्य संत रुपचंदजी द्वय महापुरुष हमारे महान पुरुष थे। इस मौके पर रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। साध्वीश्री ने कहा कि जीवों की रक्षा करना अभयदान देना प्राणी मात्र की रक्षा करना चाहिए। भाई-बहन का प्यार का प्रतीक है। सैनिक हमारे देशों की रक्षा करते हैं अर्थात शस्त्र रक्षा करते हैं। तीर्थकर परमात्मा जो स्व की भी रक्षा करते है और दूसरों को भी रक्षा करता है अर्थात शास्त्र रक्षा करते है। संघ के अध्यक्ष राजेश बोहरा ने अतिथियों का सम्मान किया। साध्वी ऋषिता श्री जी ने अपने विचार प्रकट किए।

श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर की 18वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लूर। शहर के श्रीपुरम स्थित नारायणी पीठम, लक्ष्मी नारायणी स्वर्ण मंदिर की 18वीं वर्षगांठ 8 अगस्त को वरलक्ष्मी व्रत के अवसर पर धूमधाम से मनाई गई। इस उपलक्ष्य में महालक्ष्मी मूल मंत्र महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसकी पूर्णाहुति समारोह के साथ सम्पन्न हुई।

पूर्णाहुति से पूर्व गुरुवार को गज पूजा, गो पूजा और अश्व पूजा पारंपरिक रीति से की गईं। कार्यक्रम में पीठाधीश शक्ति अम्मा ने पधारकर भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस समारोह में देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज ने मनाया पुस्तकालय दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गुरुवार को अग्रवाल विद्यालय में विद्यालय के सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथालिया के नेतृत्व में पुस्तकालय दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को पुस्तकालय के प्रति रुचि ए व पुस्तकालय से होने वाले लाभों का ज्ञान कराना था। इस कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। छात्रा श्रुति ने अपने स्वागत भाषण से मुख्य अतिथि का स्वागत किया। लाइब्रेरी अध्यापिका शशिप्रिया ने मुख्य अतिथि का सम्मान किया। विद्यार्थियों ने नाटक, नृत्य, वाद विवाद, प्रश्न मंच एवं स्किट के माध्यम से पुस्तकालय के महत्व के बारे में बताया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने हिंदी, अंग्रेजी तथा तमिल में पुस्तकालय विज्ञान के जनक एस आर रंगनाथन और

पुस्तकालय के महत्व के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी दोस्त हैं और पुस्तकों से ही हम विभिन्न प्रकार की जानकारी बड़ी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं , साथ ही छात्रों को पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया। मंच का संचालन छात्रा ध्वनि एवं उन्नति ने किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ उप प्रधानाचार्य रघुदेव एवं उप प्रधानाचार्यामाहेश्वरी मारन, शिक्षकगण आदि उपस्थित थे।

जीवन में अच्छा बनने का नहीं बल्कि अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए : पंन्यासश्री विमलपुण्यविजय

किलपॉक में मुनिसुव्रत स्वामी कल्याणक महोत्सव, मुमुक्षुओं को दीक्षा मुहूर्त प्रदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के किलपॉक स्थित श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान एवं आचार्यश्री हीरचंद्रसूरीश्वरजी के सान्निध्य में शनिवार को मुनिसुव्रत स्वामी कल्याणक महोत्सव बड़े उल्लास और भक्ति भाव से मनाया गया। एससी शाह भवन में मुमुक्षुओं को दीक्षा का मुहूर्त प्रदान किया गया। मुमुक्षु वधामणा उत्सव के अंतर्गत प्रातः देवदर्शन जैन संघ से वरघोड़ा निकाला गया। मुमुक्षु निर्मला देवी की दीक्षा 7 नवम्बर को किलपॉक जैन संघ के तत्वावधान में होगी। मुमुक्षु इक्षाबेन अगले वर्ष 29 अप्रैल को संयम ग्रहण करेगी। पंन्यास विमल पुण्यविजयजी की सौवीं ओली का पारणा अगले वर्ष 8 अप्रैल को आयोजित होगा। मुमुक्षु निर्मला देवी, पंन्यास विमल पुण्यविजयजी एवं साध्वी त्यागनिधिजी की जन्मदात्री हैं।

धर्मसभा में पंन्यास विमल पुण्यविजयजी ने प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि भगवान महावीर ने हमेशा अच्छा बनने का प्रयास नहीं किया, बल्कि अच्छा करने का प्रयास किया। जीवन में तीन बातें अवश्य अपनाएं अच्छा बनना, अच्छा सोचना और ऐसी प्रवृत्ति रखना कि जो भी मिले, अच्छी मिले। यदि ये तीन चीजें मिल गई तो जीवन सफल हो जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि दीक्षा ग्रहण करने की कोई उम्र नहीं होती। अंतिम क्षण में भी संयम पथ अपनाया जा सकता है। दीक्षा का परम ध्येय है आज्ञापालक बनना, न कि आज्ञा देने वाला। उन्होंने साधकों को चार सूत्र दिए, अध्ययन में प्रमाद न हो, आराधना, योग मुद्रा से करें, अध्यवसाय की निर्मलता बढ़ाएं, केवल निर्जरा का लक्ष्य रखें, उससे भी ज्यादा गुरु, साधना और शास्त्रों के प्रति गहरा अनुराग रखें। इस अवसर पर देवदर्शन जैन संघ व किलपॉक संघ ट्रस्ट की ओर से मुमुक्षुओं का सम्मान किया गया। आचार्यश्री ने मुमुक्षुओं के संयम मार्ग के लिए आशीर्वाद प्रदान करते हुए दीक्षा मुहूर्त उनके परिजनों को सौंपा। कार्यक्रम में रत्नाकर पच्चीसी महाअभिषेक, पंचकल्याणक महापूजन, सायंकालीन प्रभुभक्ति, अंगरचना एवं सामूहिक आरती का आयोजन हुआ। धर्मसभा में किलपॉक जैन संघ के पदाधिकारी, ट्रस्टी और बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। मुनिसुव्रत युवा मंडल एवं महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा। संचालन मनोज राठौड़ एवं संगीत संयोजन धीरज साकरिया ने किया।

शिष्टाचार भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के माहेश्वरी सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने किलपॉक स्थित पद्मश्री बंसीलाल राठी के निवास पर उनसे शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने कहा कि मुझे समाज की सेवा करने का जो अवसर मिला है, उसे मैं ईश्वर का आशीर्वाद और आप सभी वरिष्ठजनों का स्नेह मानता हूँ। पूर्व अध्यक्ष अशोक मूंदडा ने कहा कि गौरी शंकर राठी के नेतृत्व में समाज को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। सचिवसंजय मूंदड़ा ने बताया कि नई कार्यकारिणी टीम का मुख्य उद्देश्य समाज में युवा वर्ग की भागीदारी बढ़ाना, सामूहिक विवाह, शैक्षिक छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य शिविर और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देना रहेगा।

स्वाध्याय भवन में श्रावण पूर्णिमा पर्व तप-त्याग पूर्वक मनाया

चेन्नई। शहर के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट साहुकारपेट में स्थित स्वाध्याय भवन में श्रावण पूर्णिमा पर्व जप,तप,त्यागपूर्वक मनाया गया। श्रद्धालुओं द्वारा आलोयणा का पाठ किया गया।

पक्खी पाक्षिक पर्व पर स्वाध्यायी प्रकाशचन्द ओस्तवाल, भवरलाल लोढ़ा, बाबू धनपतराज सुराणा, कांतिलाल तातेड़, सुमेरचंद नवरतनमल बागमार ने चार प्रहर के पौषध व आर वीरेन्द्र कांकरिया, लीलमचन्द बागमार,रविन्द्र बोथरा, अशोक बाफना ने रात्रिकालीन संवर की साधना की।

इस प्रसंग पर स्वाध्यायी बादलचन्द बागमार ने देवसीय व नवरतनमल बागमार ने रायसी प्रतिक्रमण करवाया।

जैन संकल्प, दैनिक संकल्प, गुरु भगवन्तों की सुखसाता पृच्छा पाठ,वन्दन आदि मांगलिक के साथ श्रावण पक्खी प्रसंग आध्यात्मिक पर्व के रूप में संपन्न हुआ। श्रावक संघ,तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि पक्खी पाक्षिक पूर्णिमा पर्व के पावन प्रसंग पर स्वाध्यायी ने सामायिक स्वाध्याय भवन, किलपाक में चातुर्मासित विराजित व्याख्यात्री महासती श्री सुमतिप्रभा के दर्शन-वन्दन व प्रवचन श्रवण किए एवं प्रत्याख्यान व मांगलिक श्रवण करवाई।

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
Shaping The Future
ट्रांजिट फ्लैट और हॉलिडे होम के लिए पट्टे पर संपत्ति की आवश्यकता
- ट्रांजिट फ्लैट्स (स्वतंत्र घर/विला या फ्लैट): 5 वर्षों के लिए पट्टे पर: मदुरै.
- हॉलिडे होम्स (बंगला/विला): 5 वर्षों के लिए पट्टे पर: येलागिरी में.
विस्तृत शर्तों और आवेदन प्रक्रिया के लिए, देखें:
www.bharatpetroleum.in → निविदाएँ → एचआरएस कॉर्पोरेट निविदाएँ 01.09.2025 से पहले.
संपर्क संख्या: 9840130095/9539508080
उपरोक्त विषय पर कोई भी आगे का शुद्धिपत्र हमारी वेबसाइट www.bharatpetroleum.in पर प्रकाशित किया जाएगा, अखबारों में नहीं.
Bharatgas COOK FOOD. SERVE LOVE. MAK LUBRICANTS MAK makes it possible. Bharat Petroleum Aviation Service
Energising Lives; Energising Naya Bharat

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान
राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम 2025-2026
खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, जूनियर विज्ञान में।
इस कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक सभी छात्रों को **भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ (IAPT) द्वारा 22 और 23 नवंबर, 2025 को आयोजित राष्ट्रीय मानक परीक्षा (NSE)** (विज्ञान विषयों के लिए) में शामिल होना होगा।
छठ्ए में योग्यता प्राप्त करना **2026 के संबंधित अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड** में भाग लेने की दिशा में पहला कदम है।
नामांकन के लिए :
NSE : https://www.iapt.org.in (21 अगस्त -14 सितंबर, 2025)
अधिक जानकारी के लिए : **https://olympiads.hbcse.tifr.res.in**
https://www.iapt.org.in
CBC 48143/12/0005/2526

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.